देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 20 अंक: 339 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

**विचार–प्रवाह...**
आईना या संस्था की गरिमा पर प्रहार?

# पेज थ्री

देहरादून, शनिवार, 7 मार्च 2026

मौसम | अधिकतम 29.0° | न्यूनतम 18.0° | 82924.41 | 2 ईरानी विदेश मंत्री की अमेरिका को धमकी | 7 अभिषेक शर्मा होंगे बाहर ?

# पेट्रोल–डीजल की नहीं होगी कमी

## भारत के पास कच्चे तेल, तेल उत्पादों और एलपीजी का पर्याप्त भंडार

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। ईरान–इजरायल युद्ध के बीच भारत में तेल और गैस की कमी एक बड़ी समस्या बनी हुई है। इस बीच सरकारी सूत्र के हवाले से अहम जानकारी दी है। शुक्रवार को केंद्र सरकार के हवाले से बताया, हमारे पास क्रूड ऑयल, ऑयल प्रोडक्ट्स और एलपीजी का भंडार अच्छी स्थिति में है, जो कि होर्मुज स्ट्रेट्स में फंसे एनर्जी सोर्स से कहीं ज्यादा हैं। हमारे मौजूदा स्टॉक के हिसाब से हम अच्छी स्थिति में हैं। हम दूसरे इलाकों से अपनी सप्लाई बढ़ाने जा रहे हैं और होर्मुज स्ट्रेट्स से सप्लाई की कमी को पूरा करेंगे।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच लोगों के मन में यह चिंता बढ़ गई है कि कहीं भारत में पेट्रोल और डीजल की कमी तो नहीं हो जाएगी। हालांकि सरकार ने साफ किया है कि फिलहाल ऐसा कोई खतरा नहीं है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक देश में पेट्रोलियम उत्पादों का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। अधिकारियों का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में उतार–चढ़ाव जरूर है, लेकिन भारत की स्थिति फिलहाल सुरक्षित है। सरकार दिन में दो बार ऊर्जा आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा कर रही है। साथ ही यह भी कहा गया है कि देश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और एलएनजी की कोई वैश्विक कमी नहीं है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार भारत के पास कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का लगभग आठ सप्ताह का भंडार मौजूद है। देश के पास करीब 25 दिनों का कच्चे तेल का स्टॉक और लगभग 25 दिनों का पेट्रोल और डीजल का भंडार भी है।

मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण सबसे ज्यादा चिंता स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर है, क्योंकि दुनिया का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री रास्ते से तेल और गैस की आपूर्ति करता है। हालांकि भारत के लिए जोखिम थोड़ा कम है क्योंकि देश के कुल कच्चे तेल आयात का लगभग 40 प्रतिशत ही इस रास्ते से होकर आता है। गैस सप्लाई को सुरक्षित रखने के लिए सरकारी कंपनी गेल फोर्स मेज्योर लागू करने पर विचार कर सकती है।

### रूस भेज रहा तेल

सरकारी सूत्र ने बताया, हम 2022 से रूस से क्रूड ऑयल खरीद रहे हैं। 2022 में हम रूस से कुल इम्पोर्ट का 0.2 परसेंट इंपोर्ट कर रहे थे। फरवरी में, हमने अपने कुल क्रूड ऑयल इंपोर्ट का 20 परसेंट रूस से इंपोर्ट किया। फरवरी में, भारत ने रूस से हर दिन 1 |04 एमएन बैरल इम्पोर्ट किया।

### एमआरपीएल रिफाइनरी बंद होने की खबर गलत

बताया गया कि एमआरपीएल रिफाइनरी बंद होने की खबर गलत है। एमआरपीएल रिफाइनरी में बहुत अच्छा स्टॉक है। सभी एलपीजी रिफाइनरियों को एलपीजी का प्रोडक्शन बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। हम अपने एलपीजी स्टॉक के साथ अच्छी स्थिति में हैं। हम कंजम्पशन डिमांड को कम करने के लिए अपने पेटकेम का इस्तेमाल घरेलू इस्तेमाल के लिए करेंगे। जनवरी से यूएस से एलपीजी भारत आना शुरू हो गई है। नवंबर 2025 में भारतीय पीएसयू तेल कंपनियों ने कॉन्ट्रैक्ट साल 2026 के लिए यूएस गल्फ कोस्ट से लगभग 2.2 एमटीपीए एलपीजी इंपोर्ट करने के लिए एक साल का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है।

### कतर से आती है बड़ी मात्रा में गैस

भारत के लिए कतर एक बड़ा गैस सप्लायर है। देश हर दिन करीब 195 मिलियन मैट्रिक स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर एलएनजी आयात करता है, जिसमें से करीब 60 मिलियन क्यूबिक मीटर गैस कतर से आती है। वैश्विक स्तर पर भी कतर लगभग 20 प्रतिशत एलएनजी की आपूर्ति करता है। मौजूदा हालात को देखते हुए भारत वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की तलाश भी कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों ने भारत को गैस सप्लाई करने की पेशकश की है। भारत ने हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका के साथ भी ऊर्जा आपूर्ति से जुड़े समझौते किए हैं। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी और ओपेक जैसे संगठनों के साथ भी संपर्क में है।

## संक्षिप्त समाचार

### यूपीएससी परीक्षा में अनुज अग्निहोत्री ने किया टॉप

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज** नई दिल्ली। यूपीएससी ने सिविल सेवा परीक्षा 2025 की लिखित परीक्षा और इंटरव्यू के आधार पर अंतिम परिणाम जारी कर दिया है। आयोग ने मेरिट के आधार पर कुल 958 उम्मीदवारों को विभिन्न सेवाओं में नियुक्ति के लिए अनुशंसित किया है। इस बार अनुज अग्निहोत्री ने टॉप किया है। दूसरे स्थान पर राजेश्वरी सुवे एम हैं। वहीं, तीसरा स्थान एकांश ढुल ने हासिल किया है।

### बांग्लादेश के बाद अब नेपाल में अमेरिका समर्थक सरकार

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज**

काठमांडू। नेपाल में चुनाव के बाद ताजा रुझानों में काठमांडू के मेयर रहे बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी सबसे आगे है। दूसरे नंबर पर नेपाली कांग्रेस है। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सीपीएन–यूएमएल 11 सीटों पर बढ़त के साथ तीसरे स्थान पर है। माना जा रहा है कि अमेरिका सर्मथक बालेन शाह नेपाल के नए प्रधानमंत्री हो सकते हैं।

# कोई देश खुद को नहीं कह सकता सर्वोच्च ताकत

## वैश्विक तनाव के बीच विदेश मंत्री जयशंकर का बयान

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। वैश्विक तनाव के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि आज कोई भी देश पूरी तरह से हावी नहीं है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि 20वीं सदी के मध्य से एक निश्चित विश्व व्यवस्था बनाए रखने की वैश्विक अपेक्षा अवास्तविक थी, और अब शक्ति विभिन्न आयामों में काफी हद तक फैल गई है।

रायसीना डायलॉग 2026 में बोलते हुए विदेश मंत्री ने पिछले सात दशकों में वैश्विक शासन के विकसित होते स्वरूप पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, "जब हम इन 70 वर्षों को पीछे मुड़कर देखते हैं, तो मुझे लगता है कि 1945 या 1989 को हमेशा के लिए स्थिर करने की उम्मीद एक बहुत ही अवास्तविक उम्मीद थी।

दिल्ली में आयोजित रायसीना डायलॉग 2026 में जयशंकर ने कहा कि 1945 या 1989 के बाद बने विश्व व्यवस्था को हमेशा के लिए बनाए रखने की उम्मीद करना अवास्तविक था। पिछले 70 साल को अगर इतिहास के नजरिए से देखें तो यह भारत के हजारों साल के इतिहास का सिर्फ एक छोटा हिस्सा है, इसलिए दुनिया का बदलना स्वाभाविक है।

विदेश मंत्री के मुताबिक आज ताकत का मतलब सिर्फ जीडीपी या सैन्य शक्ति नहीं रह गया है। वैश्विक शक्ति अब कई देशों और क्षेत्रों में फैली हुई है।

ईरान की अमेरिका और इजरायल से जंग जारी है। ऐसे में ईरान के उप विदेश मंत्री सईद खातिबजादेह ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात कर बात की है और कहा है कि ईरान और भारत के बीच बहुत पुराने सभ्यतागत संबंध हैं।

### वैश्विक व्यवस्था में बदलाव के पीछे दो बड़ी ताकतें

जयशंकर ने कहा कि वैश्विक व्यवस्था में बदलाव के पीछे दो बड़ी ताकतें काम कर रही हैं तकनीक (टेक्नोलॉजी) और जनसंख्या का स्वरूप (डेमोग्राफी)। आने वाले दशक में यही दोनों कारक दुनिया की दिशा तय करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आज वैश्विक राजनीति का विश्लेषण अक्सर अमेरिका के इर्द–गिर्द किया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि दुनिया धीरे–धीरे कई ताकतों में बंट रही है। अब कोई भी देश ऐसा नहीं है, जो हर क्षेत्र–जैसे अर्थव्यवस्था, सैन्य शक्ति, तकनीक या कूटनीति में पूरी तरह से हावी हो।

# समुद्र बन रहे वैश्विक शक्ति संतुलन का केंद्र

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने शुक्रवार को कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि बदलती वैश्विक राजनीति में समुद्र एक बार फिर दुनिया की शक्ति संतुलन का केंद्र में आ गए हैं। अब यह भारत की जिम्मेदारी है कि वह आत्मविश्वास और पूरी क्षमता के साथ समुद्री क्षेत्र में नेतृत्व करे।

राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया के ताजा घटनाक्रम को असामान्य बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि इस इलाके के हालात पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर डाल सकते हैं। उन्होंने कहा, पश्चिम एशिया में जो हो रहा है, वह सामान्य नहीं है। इस समय यह कहना मुश्किल है कि वहां के हालात आगे किस दिशा में जाएंगे।

रक्षा मंत्री ने होर्मुज जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि यह इलाका दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है। जब भी इस क्षेत्र में कोई रुकावट आती है, तो इसका सीधा असर तेल और गैस की सप्लाई पर पड़ता है।

आज सिर्फ ऊर्जा क्षेत्र ही नहीं, बल्कि दूसरे सामानों की सप्लाई चेन में भी रुकावटें आ रही हैं। इन अनिश्चितताओं की वजह से वैश्विक व्यापार को नुकसान हो रहा है। बदलती वैश्विक राजनीति के इस दौर में समुद्र शक्ति संतुलन के केंद्र में आ गए हैं। एक बड़े समुद्री देश के तौर पर भारत को साफ विजन के साथ आगे आना होगा।

### दो टूक

■पश्चिम एशिया संकट पर रक्षा मंत्री राजनाथ की दो टूक

### लंबे युद्ध के लिए ईरान तैयार

ईरान ने साफ कर दिया है कि वह एक लंबी लड़ाई के लिए पूरी तरह से तैयार है। आईआरजीसी के प्रवक्ता ने चेतावनी दी है कि ईरान जल्द ही ऐसे उन्नत हथियार पेश करने वाला है, जिनका अभी तक जंग में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल नहीं किया गया है।


Are you Planning to make a Website or already have ?

If yes, then we are here to serve you

What we do

**Website Development**
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

**Promotion & Branding**
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

**Search Engine Optimisation**
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
**Gadoli Media Ventures**
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in


# उत्तराखंड में मौसम की आंखमिचौली

■6 दिन इन जिलों की चोटियों पर बारिश के आसार

**संवाददाता**

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार 12 मार्च तक राज्य में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। खासकर ऊंची चोटियों पर 7, 8, 9, 10, 11 और 12 मार्च को मौसम खराब रहने का पूर्वानुमान है। इस दौरान चोटियों पर हल्की बारिश या बर्फ गिर सकती है। मौसम में यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ के कारण आएगा। उत्तराखंड के साथ हिमाचल प्रदेश और जम्मू–कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में भी मौसम बदलने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने 7 और 8 मार्च को उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ जिलों में 4000 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाली कुछ जगहों पर हल्की बारिश या बर्फबारी होने की संभावना जताई है।

मौसम विभाग ने 9 से लेकर 12 मार्च को उत्तराखंड के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में 3800 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाली कुछ जगहों पर बहुत हल्की बारिश या बर्फबारी की संभावना जताई है।

## न्यूज डायरी

### अमेरिका–इजरायल का डर नहीं, श्रीलंका ने दी ईरानी जहाज को शरण

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** कोलंबो। श्रीलंका की सरकार ने हिंद महासागर में अमेरिकी हमले का शिकार बनने से पहले ईरानी जहाज को अपनी शरण में ले लिया है। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने कहा है कि उनकी सरकार ने एक दूसरे ईरानी जहाज को अपने एक पोर्ट पर डॉक करने और उसके क्रू को देश में आने की इजाजत दे दी है। ये एक दिलेर फैसला है। ईरान के एक जहाज को अमेरिकी पनडुब्बी ने टॉरपीडो से हमला कर डूबो दिया था। इस हमले में 87 ईरानी नाविकों की मौत हो गई है। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने टेलीविजन पर बोलते हुए कहा कि ईरान के दूसरे नेवी जहाज आइआरआईएनन बुशहर ने श्रीलंका सरकार से पूछा था कि क्या वह देश के किसी पोर्ट पर डॉक कर सकता है। श्रीलंका के अधिकारियों ने जहाज पर मौजूद 208 लोगों, जिनमें 53 ऑफिसर, 84 कैडेट ऑफिसर, 48 सीनियर सेलर्स, 23 सेलर्स को राजधानी कोलंबो में आने देने की इजाजत दे दी। इसके अलावा जहाज को दुनिया के सबसे व्यस्त कमर्शियल पोर्ट में से एक कोलंबो के बजाय ईस्ट कोस्ट पर त्रिंकोमाली में कस्टडी में लेने का फैसला किया गया। श्रीलंका ने ईरानी जहाज को अपने बंदरगाह पर शरण देकर और नाविकों को शरण देकर निश्चित तौर पर अमेरिका की नाराजगी मोल ली है। श्रीलंका का कहना है कि वो मानवीय आधार पर ऐसा कर रहा है। इसके अलावा श्रीलंका की नौसेना समुद्र से तबाह हुए जंगी जहाज का मलबा इकट्ठा कर रही है, घायल नाविकों का इलाज कर रही है और लड़ाई से तेल की कीमतें बढ़ने पर होने वाले आर्थिक नुकसान के लिए भी तैयार है।

### अजरबैजान पर ड्रोन हमला इजरायल का फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** तेहरान। ईरान ने अजरबैजान में हुए ड्रोन हमले के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया है। ईरान ने कहा है कि इजरायल पड़ोसी देशों के साथ उसके रिश्ते खराब करने की कोशिश कर रहा है। अजरबैजान के विदेश मंत्री जेहुन बायरामोव के साथ फोन पर बात करते हुए ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने इजरायल पर ये आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि अजरबैजान पर किसी भी तरह के हमले से इनकार कर दिया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक उन्होंने कहा कि ईरान को लेकर लोगों की राय बदलने के लिए और पड़ोसी देशों के साथ उसके रिश्ते खत्म करने के लिए इजरायल ऐसे हमले कर रहा है और ईरान ऐसे हमलों की निंदा करता है। आपको बता दें कि अजरबैजान में ईरान की सीमा से सटे इलाके में हुए ड्रोन हमले में कम से कम चार लोग घायल हो गये थे। ईरान ने अजरबैजान पर हमले में इजरायल पर आरोप मढ़े हैं लेकिन उससे पहले वो खुद तुर्की पर बैलिस्टिक मिसाइल हमला कर चुका है जिसे छ।ज्ट देशों के एयर डिफेंस सिस्टम ने रोका था। नाटो के प्रवक्ता ने तुर्की के इस आरोप को गलत बताया है कि ये मिसाइल साइप्रस में एक मिलिट्री बेस की तरफ जा रही थी। छ।ज्ट के प्रवक्ता एलिसन हार्ट तुर्की पर ईरान के हमले की निंदा की है। इससे पहले तुर्की के रक्षा मंत्री ने कहा था कि नाटो के डिफेंस सिस्टम ने ईरान से फायर की गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को इंटरसेप्ट करके नाकाम कर दिया था जो तुर्की की ओर बढ़ रही थी लेकिन उन्होंने इसके अलावा कोई और जानकारी नहीं दी थी।

### हम ऐसा व्यक्ति चाहते हैं जो ईरान में सद्भाव और शांति लाए: ट्रंप

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** तेहरान। शनिवार को ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत अमेरिका और इजरायल ने ईरान की राजधानी तेहरान में हमले किए। इस हमले के दौरान ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई। जिसके बाद ईरान ने इजरायल समेत एक साथ कई खाड़ी देशों में मिसाइलों की बौछारें करनी शुरू कर दी, जिससे मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ गया। इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान में किए हमले का आज सातवां दिन है। सातवें दिन भी मिडिल ईस्ट में तनाव कम होने की बजाय और बढ़ता ही जा रहा है। दरअसल, मिडिल ईस्ट में जारी जंग न केवल खाड़ी देशों को अपनी चपेट में ले लिया है, बल्कि वैश्विक वित्तीय बाजारों और तेल आपूर्ति शृंखला को भी हिलाकर रख दिया है। अमेरिका और इजरायल का दावा है कि उनका अभियान ईरान की सेना को पंगु बना रहा है।

# अमेरिकी सैनिकों के लिए दलदल बन जाएगा ईरान

**रिपोर्ट**

## ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची की अमेरिका को धमकी

- अमेरिका के साथ बातचीत से इनकार
- ईरान ने सीजफायर के लिए नहीं कहा

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

तेहरान। अमेरिका और इजरायल के लगातार हमलों के बावजूद ईरान ने अपने तेवर नरम नहीं किए हैं। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि उनका देश अमेरिका के जमीनी हमले के लिए तैयार है। अराघची की टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब कहा जा रहा है कि अमेरिका और इजरायल ईरान में जमीनी अभियान के लिए सैनिक उतारने की तैयारी कर रहे हैं। अमेरिकी ब्रॉडकास्टर के साथ एक इंटरव्यू में ईरानी विदेश मंत्री ने अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत से इनकार कर दिया।

अराघची इस इंटरव्यू के लिए

तेहरान से वीडियो के जरिए जुड़े थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि ईरान ने सीजफायर के लिए नहीं कहा है। ईरानी विदेश मंत्री से जब पूछा गया कि क्या उन्हें अमेरिका के जमीनी हमले का डर है, तो उन्होंने कहा, नहीं, हम उनका इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें भरोसा है कि हम उनका सामना कर सकते हैं। यह उनके (अमेरिका) लिए बड़ी मुसीबत होगी।

इस युद्ध के लिए लंबे समय से तैयार ईरान की फोर्स यह सुनिश्चित कर रही है कि जो भी इसे बढ़ाना चाहे, उसके लिए यह एक दलदल बन जाए। हमने इस अमेरिकी प्रशासन के साथ दो बार बातचीत की। दोनों बार, बातचीत के बीच हम पर हमला हुआ। खून–खराबे के लिए यह (अमेरिका) पूरी तरह जिम्मेदार है।

अराघची ने यह भी कहा कि ईरान ने अमेरिका और इजरायल के हमलों के बावजूद सीजफायर के लिए नहीं कहा है। अराघची ने बीते जून में इजरायल के साथ 12 दिनों के युद्ध का जिक्र किया और कहा, श्हमने पिछली बार भी सीजफायर के लिए नहीं कहा था। 12 दिन तक उनके हमले का विरोध करने के बाद उन्होंने (इजरायल) ही बिना शर्त सीजफायर के लिए कहा था। जून में इजरायल ने ईरान पर भीषण हमला किया, जिसने ईरान की मिलिट्री लीडरशिप और शीर्ष परमाणु वैज्ञानिकों को निशाना बनाया था। उस दौरान अमेरिका ने ईरान की परमाणु सुविधाओं पर बम गिराए थे।

अराघची ने कहा कि बातचीत के बीच में हमले ने ईरान को भविष्य की किसी भी वार्ता से दूर कर दिया है। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा, सच तो यह है कि अमेरिका के साथ बातचीत का कोई अच्छा अनुभव नहीं है। खासकर इस प्रशासन के साथ। हमने पिछले साल और इस साल दो बार बातचीत की और फिर बातचीत के बीच में उन्होंने हम पर हमला कर दिया। इसलिए हमें उन लोगों के साथ फिर से बातचीत का कोई कारण नहीं दिखता, जो ईमानदार नहीं हैं और अच्छी नीयत से बातचीत नहीं करते हैं और न ही करेंगे।

## ईरान के हमले में यूएई और जॉर्डन को हुआ भारी नुकसान

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** तेहरान। मिडिल ईस्ट में टेंशन लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान के हमले से संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन को भारी नुकसान हुआ है। ईरान ने इन देशों के रडार सिस्टम को तबाह कर दिया है, जो कि अमेरिका के बनाए हुए थे। अरब पेनिनसुला के मिलिट्री बेस से मिली नई सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि ईरान, मिसाइलों और ड्रोन का पता लगाने वाले यूएस–मेड रडार को खत्म करके एयर डिफेंस को कमजोर कर रहा है।

एक सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि ईरान ने यूएस–इजरायली हमलों के शुरुआती दिनों में जॉर्डन में एक अमेरिकन थाड मिसाइल बैटरी के रडार सिस्टम पर हमला किया और उसे तबाह कर दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, यूनाइटेड अरब अमीरात में दो जगहों पर ऐसे ही रडार सिस्टम वाली बिल्डिंग्स पर भी हमला हुआ, लेकिन अभी तक यह साफ नहीं है कि इक्विपमेंट डैमेज हुआ या नहीं। रडार हाई–एंड मिसाइल इंटरसेप्टर सिस्टम के लिए एक जरूरी एलिमेंट है, जिसका इस्तेमाल बैलिस्टिक मिसाइलों को उनके टारगेट की ओर उड़ते समय एंगेज करने और खत्म करने के लिए किया जाता है। यूएस आठ थाड बैटरी ऑपरेट करता है।

सीरिया में फुस्स हुई ईरानी मिसाइल

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** सीरिया। अमेरिका–इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ गया है। ईरान ने एक साथ कई खाड़ी देशों पर मिसाइलें दागनी शुरू कर दी, जिससे क्षेत्र में भारी तबाही मच गई। ईरान द्वारा मिसाइल और ड्रोन से खाड़ी देशों में किए गए हमले के दौरान एक प्रोजेक्टाइल पूर्वी सीरिया के कामिशली के बाहरी इलाके में एक खुले मैदान में गिरा। सीरिया के ग्रामीण क्षेत्रों में ईरानी मिसाइल के मलबे से बच्चों सहित कई लोग मामूली रूप से घायल हो गए। हैरानी की बात यह है कि लोग अपनी जान का परवाह किए बगैर उसके पास जा रहे हैं और खुद को खतरे में डाल रहे हैं। इस प्रोजेक्टाइल को एक लड़का बिना किसी डर भय के अपने हाथों से छूता और उस पर चढ़ता हुआ नजर आ रहा है और इस पर चढ़ भी रहा है। अगर किसी कारणवश यह फट जाए तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

# न्यूयॉर्क का मेयर चुन नहीं सकते, तेहरान पर दावा कर रहे

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

- ट्रंप को ईरान के उप–विदेश मंत्री की दो टूक

तेहरान। पश्चिम एशिया में अमेरिका और इस्राइल के साथ बढ़ते संघर्ष के बीच ईरान के उप–विदेश मंत्री डॉ. सईद खतीबजादेह ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। दिल्ली में रायसीना डायलॉग 2026 में बोलते हुए उन्होंने कहा कि तेहरान के पास आक्रामक शक्तियों के खिलाफ जहां से भी अमेरिकी हमले शुरू हो रहे हैं, उन्हें निशाना बनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। इसी के साथ उन्होंने ट्रंप पर ईरान के नए सुप्रीम नेता को लेकर दिए बयान पर भी करार हमला बोला।

डॉ. खतीबजादेह ने स्पष्ट किया कि अमेरिका और इस्राइल की संयुक्त कार्रवाई ईरान के अस्तित्व को समाप्त करने की एक सोची–समझी साजिश है। उन्होंने इस संघर्ष को श्वीरतापूर्ण, राष्ट्रवादी युद्ध बताया, जिसका उद्देश्य आक्रामक शक्तियों को पीछे धकेलना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान को अपनी रक्षा के लिए कड़े कदम उठाने होंगे।

उप विदेश मंत्री डॉ. सईद खतीबजादेह ने ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान में नेतृत्व परिवर्तन की मांग कर रहे हैं, जबकि वे न्यूयॉर्क के मेयर की नियुक्ति तक नहीं कर सकते। क्या आप इस औपनिवेशिक रवैये की कल्पना कर सकते हैं? एक ओर वे अपने देश में लोकतंत्र देखना चाहते हैं, वहीं दूसरी ओर वे ईरान के लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित राष्ट्रपति को पद से हटाना चाहते हैं।

ईरान के उप–विदेश मंत्री ने अमेरिका और इस्राइल की कार्रवाइयों को अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मानदंडों के खिलाफ बताया। उन्होंने इस आक्रामकता के पीछे सत्ता की राजनीति और ग्रेटर इस्राइल के भ्रम को जिम्मेदार ठहराया।

खतीबजादेह ने कहा कि अमेरिका ने ईरान के अस्तित्व को समाप्त करने का फैसला किया है, जबकि इस्राइल दशकों से ग्रेटर इस्राइल के अपने भ्रम के कारण इसका वादा करता रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान के पास फारस की खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी उपस्थिति को समाप्त करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

### भारत के लिए समुद्र में ट्रिपल खतरा

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** बीजिंग। ताइवान पर हमला करने से पहले क्या चीन भारत को कई मोर्चों पर उलझाना चाहता है? ऐसा इसलिए क्योंकि चीन जानता है कि ताइवान पर हमले के वक्त उसके लिए सबसे बड़ा खतरा भारत से होगा। चीन जानता है कि उसके लिए सबसे ज्यादा खतरा पैदा करने की क्षमता अमेरिका की नहीं बल्कि भारत की है। इसलिए वो भारत को हिमालय से लेकर नीचे समंदर तक उलझाना चाहता है।

हिमालय में चीन ऐसा पाकिस्तान के साथ कर रहा है जबकि समंदर में वो बांग्लादेश और मालदीव जैसे देशों के साथ कर रहा है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के संबंध फिर से बनाने शुरू कर दिए हैं और चीन इसमें एक भूमिका निभा रहा है।

Page Three
Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

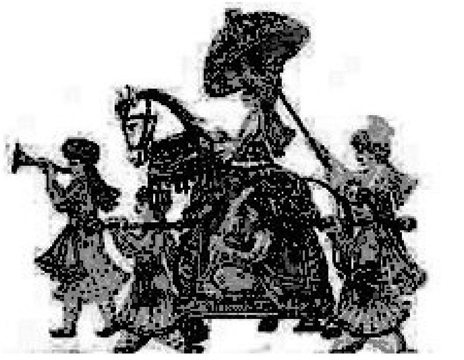

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

# सुरक्षा, यातायात और स्वच्छता सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश

## गृहमंत्री के दौरे से पहले डीएम ने एसएसपी संग व्यवस्थाओं का किया स्थलीय निरीक्षण

निरीक्षण

**संवाददाता**

देहरादून। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के 7 मार्च को प्रस्तावित उत्तराखंड दौरे को लेकर प्रशासन ने सभी तैयारियां तेज कर दी हैं। दौरे से एक दिन पूर्व देहरादून के जिलाधिकारी सविन बंसल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोभाल ने जौलीग्रांट एयरपोर्ट से लेकर हरिद्वार जनपद की सीमा तक सुरक्षा और व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने तथा सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह चाक–चौबंद रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने रायवाला स्थित होटल गॉडविन का भी दौरा किया, जहां केंद्रीय गृहमंत्री अल्प विश्राम करने के साथ पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। जिलाधिकारी ने एसएसपी के साथ होटल तक जाने वाले संपर्क मार्ग और होटल परिसर की आंतरिक व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने होटल में विद्युत व्यवस्था, एयर कंडीशनिंग, फायर सेफ्टी, लिफ्ट, ग्रीन रूम, रेस्ट रूम, मीटिंग हॉल और पार्किंग सहित सभी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने होटल प्रबंधन को तत्काल फायर सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिए। साथ ही विद्युत विभाग के अधिकारियों को जेनसेट के साथ वैकल्पिक बिजली व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा, ताकि किसी भी स्थिति में कार्यक्रम प्रभावित न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए।

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को आज शाम तक व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश देते हुए लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग एवं अन्य संबंधित अधिकारियों से सेफ्टी सर्टिफिकेट प्रस्तुत करने को भी कहा। उन्होंने कहा कि सभी व्यवस्थाएं पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ सुनिश्चित की जाए, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की चूक न हो। इसके अलावा जिलाधिकारी ने होटल गॉडविन तक जाने वाले संपर्क मार्ग की स्थिति का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मार्ग पर सुरक्षा, यातायात नियंत्रण, पार्किंग व्यवस्था तथा स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित अधिकारियों को संपर्क मार्ग पर विशेष सफाई और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शनिवार को हरिद्वार पहुंचकर उत्तराखंड में पिछले चार वर्षों में किए गए विकास कार्यों, संचालित तथा प्रस्तावित योजनाओं की समीक्षा करेंगे। कार्यक्रम स्थल पर राज्य सरकार की उपलब्धियों और विकास कार्यों को प्रदर्शित करने के लिए एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

जिला प्रशासन के निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोबाल, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जया बलूनी, अपर जिलाधिकारी केके मिश्रा, उप जिलाधिकारी ऋषिकेश योगश मेहरा सहित सड़क, विद्युत, पेयजल, फायर सेफ्टी आदि विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

## न्यूज डायरी

### गंगा में पसरी गंदगी ने खोली स्वच्छता मुहिम की पोल

**संवाददाता** हरिद्वार। धर्मनगरी में गंगा स्वच्छता को लेकर प्रशासन लगातार अभियान चला रहा है, लेकिन कनखल क्षेत्र के बैरागी कैंप घाट की स्थिति इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। यहां पास ही गंगा में खंडित कांवड़ का मलबा और पुराने कपड़े लंबे समय से जमा हैं, जिनको आज तक नहीं हटाया गया है। बैरागी कैंप के पास गंगाघाट पर जलधारा में कई जगह कांवड़ के टूटे हिस्से बहकर किनारे पर जमा हो गए हैं। कई पुराने कपड़े रेलिंग में फंसे दिखाई देते हैं। यह स्थिति न केवल गंगा की पवित्रता को प्रभावित कर रही है, बल्कि स्वच्छता व्यवस्था की भी पोल खोल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई दिनों से यह मलबा जमा है, लेकिन प्रशासन की ओर से इन्हें हटाने के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। जबकि, गंगा की स्वच्छता और संरक्षण के लिए जिला प्रशासन ने गंगा संरक्षण समिति का गठन किया है। इसके बावजूद गंगाघाट पर इस तरह की गंदगी जमा होना प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर रहा है।

### अधिकारिक वेबसाइट बनाएगा पेंशनर्स संगठन

**संवाददाता** ऋषिकेश। उत्तराखंड केंद्रीय पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की कार्यकारिणी की बैठक शुक्रवार को प्रगति विहार सामुदायिक केंद्र में हुई। इसमें संगठन को प्रभावी बनाने के लिए नई कार्यकारिणी के सदस्यों का नामांकन और विभिन्न समितियों के गठन का प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं के सुधारीकरण के लिए सीजीएचएस की जोनल और लोकल एडवाइजरी कमेटियों के लिए प्रतिनिधियों का चयन किया गया। साथ ही, संगठन को डिजिटल युग से जोड़ने के लिए आधिकारिक वेबसाइट बनाने पर सहमति बनी। बैठक में 10 मार्च को नई दिल्ली में होने वाली एससीओवीए बैठक के लिए तिलक राज शर्मा और रविन्द्र दत्त सेमवाल को अधिकृत प्रतिनिधि नामित किया गया।

### स्वैच्छिक रक्तदान हेतु आगे आएं लोगः एम्स

**संवाददाता** ऋषिकेश। इलाज के लिए रक्त की आवश्यकता आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था की मूलभूत जरूरत है। इसको लेकर एम्स ऋषिकेश ने लोगों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान किया है। एम्स में ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. गीता नेगी ने कहा कि शल्य चिकित्सा, ट्रॉमा देखभाल, कैंसर उपचार, थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज और गर्भावस्था से जुड़ी जटिलताओं व अन्य चिकित्सीय स्थितियों में रोगी के इलाज के दौरान रक्त की आवश्यकता होती है। कहा कि बिना किसी आर्थिक लाभ के स्वेच्छा से दिया गया रक्त मरीजों के लिए सबसे सुरक्षित स्रोत होता है। स्वैच्छिक रक्तदाता सामान्यतः अपना सही चिकित्सीय इतिहास बताते हैं और रक्तदान के सभी मानदंडों का पालन करते हैं।

## उत्तराखंड के तीन आईजी केंद्र में डीआईजी पद पर प्रतिनियुक्ति पर जाएंगे

**संवाददाता** देहरादून। उत्तराखंड कैडर के तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर भेज दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से पांच मार्च को इनकी तैनाती के आदेश जारी किए गए। आदेश मिलते ही राज्य सरकार ने तत्परता दिखाते हुए शुक्रवार इनमें दो अधिकारियों को रिलीव कर दिया है। गृह सचिव शैलेश बगोली ने तीनों अधिकारियों को केंद्रीय सेवा में बुलाए जाने की आधिकारिक पुष्टि की है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंडर सेक्रेटरी संजीव कुमार की ओर से गुरुवार को इसका आदेश जारी किया गया। आदेश में मुख्तार मोहसिन (आईपीएस 2005 बैच) को एनसीआरबी में डिप्टी डायरेक्टर (डीआईजी स्तर) के पद पर नियुक्त किया गया है।

इसी बैच की नीरू गर्ग को भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) में डीआईजी के पद पर तैनाती मिली है। अरुण मोहन जोशी (आईपीएस 2006 बैच) को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में डीआईजी के पद पर तैनाती दी गई है।

राज्य में आईजी, केंद्र में संभालेंगे डीआईजी का पदइस डेपुटेशन में एक बड़ी बात यह सामने आई है कि प्रतिनियुक्ति पर जा रहे अरुण मोहन जोशी, मुख्तार मोहसिन और नीरू गर्ग, ये तीनों ही अधिकारी वर्तमान में उत्तराखंड पुलिस में पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) के पद पर पदोन्नत हो चुके हैं। केंद्र में जो उनकी तैनाती तय की गई है, वह उप महानिरीक्षक (डीआईजी) के पद पर हुई है। केंद्र में आईजी पद नामित होने तक इन्हें वहां डीआईजी पद पर काम करना पड़ सकता है।

### दून में नगर निगम का पहला फूड कोर्ट डेस्टिनेशन अंतिम चरण में

**संवाददाता** देहरादून। राजधानी देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में नगर निगम देहरादून द्वारा निर्मित शहर के प्रथम फूड कोर्ट डेस्टिनेशन का कार्य अपने अंतिम चरण में पहुँच चुका है और शीघ्र ही आम जनता के लिए खोला जाएगा। यह फूड कोर्ट महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के निकट रायपुर–थानों रोड पर स्थापित किया जा रहा है और नगर निगम की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। यह न केवल शहरवासियों के लिए बल्कि पर्यटकों के लिए भी एक सुरक्षित, सुव्यवस्थित और आकर्षक फूड स्पेस प्रदान करेगा। यहाँ विभिन्न राज्यों और देशों के व्यंजनों का स्वाद एक ही स्थान पर लेने का अवसर मिलेगा। थानों रोड पर बन रहे फूड कोर्ट में कुल 31 संगठित दुकानों का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। परिसर में स्वच्छता, शौचालय, ओपन डाइनिंग के साथ लाइट शो, बैठने की सुव्यवस्थित व्यवस्था और पर्यटकों के लिए वॉकिंग गैलरीध्पाथवे की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

# जल संरक्षण और पारंपरिक स्रोतों के पुनर्जीवन की गति करें तेजः मुख्य सचिव

**संवाददाता**

- सारा की उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक सम्पन्न

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में स्प्रिंग एंड रिवर रिजुवनेशन अथॉरिटी की उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्व बैंक पोषित जलागम विकास, जल निकायों के पुनर्जीवन, वृक्षारोपण, पारंपरिक नौलों– धारों के संरक्षण तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में दून की सॉन्ग नदी तथा उत्तरकाशी की कमल नदी से संबंधित दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त 23 अप्रैल 2025 को आयोजित सारा की पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा भी की गई।

मुख्य सचिव ने सॉन्ग नदी से जुड़े क्षेत्रों का विस्तृत चिन्हीकरण करने के निर्देश दिए, जहाँ सुधार एवं हस्तक्षेप (इंटरवेंशन) की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि चिन्हित क्षेत्रों के अनुसार आवश्यक कार्यों का निर्धारण कर संबंधित कार्यदायी संस्था द्वारा उनकी डीपीआर तैयार कराई जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि परियोजना के क्रियान्वयन के बाद उसके प्रभाव (इंपैक्ट) का वैज्ञानिक मूल्यांकन भी किया जाए। इसके लिए आईआईटी रुड़की जैसे तकनीकी संस्थानों के सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार करने को कहा गया। मुख्य सचिव ने निर्देशित किया कि सारा की बैठकें नियमित अंतराल पर आयोजित की जाएं तथा वाटर रिचार्ज, वनीकरण और पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण से जुड़े कार्यों की गति तेज की जाए। उन्होंने सभी जनपदों को निर्देश दिए कि पौराणिक और पारंपरिक नौलों–धारों का चिन्हीकरण कर उनकी नैसर्गिक संरचना को सुरक्षित रखते हुए वैज्ञानिक तरीकों से आवश्यक उपचार किया जाए, ताकि उनकी प्राकृतिकता बनी रहे और पारिस्थितिकी तंत्र पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

मुख्य सचिव ने वन क्षेत्रों में कैंपा फंड के माध्यम से कन्वर्जेंस करते हुए जल संरक्षण से जुड़े संबंधित कार्यों को संपादित करें।

### सरकार की बुद्धि शुद्धि को किया यज्ञ

**संवाददाता** ऋषिकेश। राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के लिए आवंटित भूमि को अन्य कार्य के लिए दिए जाने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का धरना शुक्रवार को 13वें दिन भी जारी रहा। कार्यकर्ताओं ने बुद्धि–शुद्धि यज्ञ कर सरकार से अपने निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की। शुक्रवार को लिस्ट्राबाद में चल रहे धरने के दौरान बुद्धि–शुद्धि यज्ञ किया गया। डोईवाला ब्लॉक प्रमुख गौरव चौधरी ने कहा कि वर्ष 2019 में तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने इस भूमि पर राष्ट्रीय विधि विवि का शिलान्यास किया था। ऐसे में अब इस भूमि को किसी अन्य कार्य के लिए दिए जाने का निर्णय क्षेत्र की जनता की भावनाओं के विपरीत है। विधि विवि डोईवाला क्षेत्र के विकास और युवाओं के भविष्य से जुड़ी एक महत्वपूर्ण परियोजना है।

*आधुनिकता वह है जिस पर अतीत अपना दावा कर सके।*
*-अज्ञात।*

विचार-प्रवाह देहरादून, शनिवार, 7 मार्च 2026

पेज थ्री
www.page3news.in

# शादी की बदलती तस्वीर

**हर व्यक्ति खुद को बेहतर दिखाने की कोशिश में अपनी वास्तविकता छिपा रहा है। शादी से पहले बनाई गई यह परफेक्ट इमेज शादी के बाद धीरे-धीरे टूटती है और जब सच्चाई सामने आती है, तब निराशा, टकराव और असंतोष जन्म लेता है।**

डॉ प्रियंका सौरभ।।

भारतीय समाज में शादी केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं रही है, बल्कि इसे हमेशा से परिवार, समाज और संस्कारों से जुड़ी एक पवित्र संस्था माना गया है। विवाह को जीवनभर का साथ, सुख–दुख में एक–दूसरे का संबल और सामाजिक स्थिरता की आधारशिला समझा जाता रहा है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में इस संस्था की तस्वीर तेजी से बदली है। आज शादी का मतलब साथ निभाने का संकल्प कम और सामाजिक प्रदर्शन अधिक होता जा रहा है। परिणामस्वरूप रिश्ते कमजोर हो रहे हैं और तलाक या अलगाव के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

आज यह एक कड़वी सच्चाई है कि लोग शादी पर 20द्25 लाख रुपये या उससे भी अधिक खर्च कर रहे हैं, लेकिन उसी शादी के कुछ महीनों या दिनों तक चलने की कोई गारंटी नहीं रह गई है। आंकड़े बताते हैं कि शहरी क्षेत्रों में लगभग 40 से 50 प्रतिशत वैवाहिक रिश्ते टूटने की कगार पर हैं या पहले ही टूट चुके हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, बल्कि एक गहरी सामाजिक समस्या का संकेत है, जिसे नजरअंदाज करना आने वाले समय में भारी पड़ सकता है। इस संकट का सबसे बड़ा कारण है दिखावे की संस्कृति।

शादी अब एक निजी निर्णय नहीं, बल्कि एक भव्य इवेंट बन चुकी है, जिसमें होटल, डेस्टिनेशन वेडिंग, महंगे कपड़े, फोटोशूट और सोशल मीडिया पोस्ट सबसे अहम हो गए हैं। लोग यह सोचने में अधिक समय लगाते हैं कि मेहमान क्या कहेंगे, रिश्तेदार कितने प्रभावित होंगे और इंस्टाग्राम पर तस्वीरें कैसी दिखेंगी। लेकिन यह सोचने का समय नहीं निकालते कि जिस इंसान के साथ पूरी जिंदगी बितानी है, उसके विचार, स्वभाव, सहनशीलता और जीवन के प्रति दृष्टिकोण क्या हैं।

सोशल मीडिया ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। हर व्यक्ति खुद को बेहतर दिखाने की कोशिश में अपनी वास्तविकता छिपा रहा है। शादी से पहले बनाई गई यह परफेक्ट इमेज शादी के बाद धीरे–धीरे टूटती है और जब सच्चाई सामने आती है, तब निराशा, टकराव और असंतोष जन्म लेता है। लोग समझ पाते हैं कि वे जिस इंसान से शादी कर बैठे हैं, वह वैसा नहीं है जैसा उन्होंने कल्पना की थी। दूसरा बड़ा कारण है धैर्य की कमी और अहंकार की अधिकता। आज के समय में लोगों का पेशेंस लेवल लगभग शून्य पर आ गया है, जबकि ईगो का स्तर सौ पर पहुंच चुका है। छोटी–छोटी बातों पर रिश्तों में दरार आ जाती है। संवाद करने, समझाने और समझने की जगह लोग तुरंत निष्कर्ष निकाल लेते हैं कि यह रिश्ता काम नहीं करेगा। "मैं क्यों समझौता करूँ?" और "मेरी खुशी सबसे ऊपर है" जैसी सोच रिश्तों को खोखला कर रही है।

पहले रिश्तों में समस्याएं आती थीं, लेकिन उन्हें सुलझाने की कोशिश की जाती थी। आज समस्याएं आते ही लोग अलग होने को सबसे आसान समाधान मान लेते हैं।

## नीला आकाश

धर्म-दर्शन

**अशोक वोहरा।** पर सच यह है कि हम शरीर नहीं हैं, मन नहीं हैं, भावनाएं नहीं हैं। हम वह चेतना हैं जो इन सबको देख रही है। इस बात को मानना आसान नहीं। इसे समझने के लिए उदाहरणों की जरूरत है। सबसे पहला उदाहरण फिल्म का पर्दा। जब आप सिनेमाघर में बैठकर फिल्म देखते हैं, तो पर्दे पर कभी युद्ध होता है, कभी प्रेम, कभी हंसी, कभी दुख। पर क्या पर्दा जलता है? क्या पर्दा रोता या हंसता है? नहीं। पर्दा केवल देखने का आधार है। उसी तरह हमारे भीतर की चेतना पर्दे की तरह है। भावनाएं और विचार फिल्म की तरह आते–जाते हैं। पर हम उनसे जख्मी तभी होते हैं जब हम खुद को फिल्म समझ लेते हैं, पर्दा नहीं।
दूसरा उदाहरण है नीला आकाश। आकाश पर बादल आते हैं, काले भी, सफेद भी। तूफान भी आता है, इंद्रधनुष भी। **...शेष कल**

# संपादकीय

## भ्रष्टाचार पर चर्चा

भ्रष्टाचार पर चर्चा लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के अनुसार, भारत का करप्शन परसेप्शन इंडेक्स 2025 में 40/100 रहा, जो न्यायपालिका सहित संस्थाओं की चुनौतियों को रेखांकित करता है। सुप्रीम कोर्ट ने स्वयं ब्रह्मावर्त हॉस्टल मामले या मेडिकल एडमिशन घोटालों में भ्रष्टाचार पर तीखी टिप्पणियां की हैं। जस्टिस जे.एस. वर्मा ने कहा था कि श्ज्यूडिशियरी में भ्रष्टाचार का एक मामला भी पूरी संस्था को दागदार बनाता है। लेकिन स्कूली किताब में इसे सामान्यीकृत कर पेश करना उचित नहीं। बच्चे 13–14 वर्ष के होते हैं उन्हें तथ्यपरक ज्ञान दें, न कि पूर्वाग्रहपूर्ण दृष्टिकोण। अध्याय जवाबदेही, शक्तियों के पृथक्करण और सुधारों (जैसे फास्ट–ट्रैक कोर्ट, जजों की भर्ती) पर केंद्रित होता तो उपयोगी होता। वर्तमान रूप में यह नकारात्मकता बोता है, जो युवा पीढ़ी में न्यायपालिका के प्रति अविश्वास पैदा कर सकता है। हरियाणा जैसे राज्यों में, जहां पंचायती राज मजबूत है, स्थानीय न्याय व्यवस्था पहले से जूझ रही है ऐसी सामग्री से ग्रामीण बच्चे हतोत्साहित होंगे। जनता जागरूक बने, क्योंकि मजबूत न्यायपालिका ही मजबूत भारत है।

**सीजेआई सूर्यकांत ने इसे न्यायपालिका को बदनाम करने की श्गहरी और सोची–समझी साजिश करार दिया तथा शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी निदेशक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।**

# आईना या संस्था की गरिमा पर प्रहार?

डॉ. प्रियंका सौरभ।।

न्यायपालिका भारत के लोकतंत्र का संरक्षक स्तंभ है, जो संविधान की रक्षा करता है और नागरिकों को न्याय का आश्वासन देता है। लेकिन हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की कक्षा आठवीं की सोशल साइंस किताब पर सख्त रुख अपनाते हुए छपाई, वितरण और वितरण पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। किताब के हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका अध्याय में न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर भ्रष्टाचार, लंबित मामलों की भारी संख्या, जजों की कमी और पूर्व सीजेआई बी.आर. गवई के बयानों का उल्लेख था। सीजेआई सूर्यकांत ने इसे न्यायपालिका को बदनाम करने की श्गहरी और सोची–समझी साजिश करार दिया तथा शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी निदेशक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

विवादित अध्याय के लेखकों की पहचान, उनकी योग्यता और सिलेबस फ्रेमिंग बैठकों की कार्यवाही प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है। यह घटना न केवल शिक्षा नीति पर सवाल उठाती है, बल्कि संस्थागत गरिमा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और भ्रष्टाचार पर खुली चर्चा के बीच संतुलन की बहस को जन्म देती है। क्या स्कूली पाठ्यक्रम में ऐसी चर्चा गलत है? या यह समाज को सतर्क करने का माध्यम है?

भारतीय संविधान अनुच्छेद 19(एक) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है, लेकिन अनुच्छेद 19(दो) में उचित प्रतिबंध भी हैं, जिनमें न्यायालय की अवमानना शामिल है। सुप्रीम कोर्ट का कदम अवमानना अधिनियम 1971 के दायरे में आता है, जहां न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली सामग्री दंडनीय है। कोर्ट ने तर्क दिया कि अध्याय चुनिंदीय (सेलेक्टिव) था न्यायपालिका पर भ्रष्टाचार का उल्लेख तो प्रमुख था, लेकिन विधायिका या कार्यपालिका पर ऐसा कोई जिक्र नहीं।

लंबित मामलों को मैसिव बैकलॉग कहना और जजों की कमी को चुनौती के रूप में पेश करना संस्था को कमजोर दिखाता है। पूर्व सीजेआई गवई के बयान का संदर्भ बिना पूर्ण संदर्भ के लिया गया, जो भ्रामक था। कोर्ट ने इसे डीप–रूटेड कांस्पिरेसी कहा, जो संकेत देता है कि यह केवल शैक्षणिक चूक नहीं, बल्कि सुनियोजित प्रयास हो सकता है। एनसीईआरटी द्वारा हाल में संशोधित पाठ्यक्रम में ऐसी सामग्री शामिल करना शिक्षा मंत्रालय की लापरवाही दर्शाता है। सिलेबस एक्सपर्ट कमिटी की बैठकों में पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठे हैं क्या लेखक राजनीतिक पूर्वाग्रह से प्रेरित थे? कोर्ट ने गहन जांच का भरोसा दिलाया है, जो स्वागतयोग्य है।

एनसीईआरटी की भूमिका पर सवाल उठना स्वाभाविक है। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत पाठ्यक्रम सरलीकृत और भारतीयता–केंद्रित बनाने का लक्ष्य था, लेकिन यह विवाद उलटा असर डाल रहा है। मंत्रालय को सिलेबस फ्रेमिंग में बहुपक्षीय परामर्श अनिवार्य करना चाहिए शिक्षाविद्, न्यायिक विशेषज्ञ, अभिभावक संगठन शामिल हों। कोर्ट ने डिजिटल कॉपियां भी जब्त करने को कहा, जो साइबर युग में चुनौतीपूर्ण है। लेकिन यह कदम आवश्यक था, क्योंकि गलत सूचना वायरल हो सकती थी। अब जांच से यदि साजिश सिद्ध हुई, तो जिम्मेदारों पर अवमानना का मुकदमा चलेगा। यह मामला व्यापक सुधारों की मांग करता है।

सरकारें पारदर्शिता बढ़ाएंकृआरटीआई से सिलेबस प्रक्रिया खुली हो। यदि भ्रष्टाचार पर चर्चा सुधार लाए, तो स्वागतयोग्यय अन्यथा यह साजिश मात्र। सुप्रीम कोर्ट की जांच से सत्य सामने आएगा, और शिक्षा प्रणाली मजबूत बनेगी। लोकतंत्र में संतुलन ही सफलता की कुंजी है।

## अष्टयोग-5050

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | | 2 | 4 | 1 | | |
| | 33 | | 23 | | 33 | 6 |
| 3 | 7 | 6 | | | 4 | 5 |
| | 42 | | 29 | | 25 | |
| | | 5 | | 3 | 2 | 1 |
| 6 | 37 | 7 | 38 | | 33 | |
| | 2 | | 4 | | | 7 |

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

**अष्टयोग 5049 का हल**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 3 | 2 | 4 | 5 | 7 | 1 |
| 2 | 30 | 7 | 31 | 4 | 34 | 2 |
| 1 | 5 | 4 | 3 | 2 | 7 | 6 |
| 5 | 28 | 6 | 31 | 6 | 39 | 3 |
| 4 | 2 | 1 | 6 | 3 | 5 | 7 |
| 3 | 30 | 5 | 32 | 7 | 34 | 5 |
| 7 | 5 | 3 | 6 | 1 | 2 | 4 |

Jagrutiddaar.com, Bangalore

## अपना ब्लॉग

### ई-कोर्ट प्रोजेक्ट को तेज करें

**मोहन।** न्यायपालिका में भ्रष्टाचार रोकने को राष्ट्रीय न्यायिक आयोग (एनजेएसी) को मजबूत बनाएं, जो जजों की नियुक्ति पारदर्शी करे। ई–कोर्ट प्रोजेक्ट को तेज करें, ताकि लंबित मामले घटें वर्तमान 5 करोड़ से अधिक हैं। जजों की संख्या बढ़ाने हेतु विधायी सहमति लें। वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी जैसे वरिष्ठों ने कोर्ट में इसे चुनिंदीय बताया, जो बहस को मजबूत करता है। शिक्षा में भ्रष्टाचार को नैतिकता के अध्याय में शामिल करें, न कि संस्था–विशेष पर प्रहार के रूप में। लेखकों की योग्यता जांचे क्या वे राजनीति विज्ञान के विशेषज्ञ हैं या सामान्य शिक्षक? अभिव्यक्ति स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन संस्था की गरिमा सर्वोपरि। सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप सही दिशा में है यह चेतावनी है कि शिक्षा भ्रष्टाचार नहीं बोएगी। एनसीईआरटी को पाठ्यक्रम पुनरीक्षण कर तथ्यपरक, संतुलित सामग्री सुनिश्चित करनी चाहिए।

## यूएई से सुरक्षित देश लौटीं सोनल चौहान और ईशा गुप्ता

एक्ट्रेस ईशा गुप्ता अबू धाबी में फंसी थीं और घर वापस लौटने की कोशिश कर रही थीं, और अब वह वापस इंडिया लौट आई हैं। फैंस को सोशल मीडिया के जरिए यह खुशखबरी दी है। मालूम हो कि ईरान और अमेरिका–इजरायल के बीच चार दिनों से चल रहे युद्ध के कारण मिडल ईस्ट में हालात बुरी तरह बिगड़े हुए हैं। उड़ानें रद्द हैं, एयरस्पेस बंद हैं, जिसके कारण कई भारतीय और सेलिब्रिटीज दुबई में फंस गए। ईशा गुप्ता भी अबू धाबी में थीं और वहीं फंस गई। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर वहां के हालात के बारे में जानकारी देते हुए लिखा था कि बहुत ही डरावना वक्त है। हालांकि, अब खुशी की बात यह है कि ईशा गुप्ता भारत वापस अपने घर लौट आई हैं। साथ ही वहां के हालातों के बारे में जानकारी दी है। ईशा गुप्ता ने घर वापस लौटने की जानकारी देते हुए इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, घर वापस आ गई हूं। आप सभी की प्रार्थनाओं और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। हम सभी जिस परिस्थिति से गुजरे, वह बहुत कठिन थी। हम सब सुरक्षित रहे, यह सचमुच ईश्वर का आशीर्वाद है। पोस्ट में ईशा ने यूएई सरकार, एयरलाइंस और होटल स्टाफ का भी शुक्रिया अदा किया। मालूम हो कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान पर मिसाइलों से हमला बोल दिया था। इसमें सैंकड़ों लोग मारे गए और ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई भी मारे गए। उस दिन का हाल बताते हुए ईशा गुप्ता ने लिखा, यह सब 28 फरवरी को शुरू हुआ जब मैं एयरपोर्ट पर थी। दोपहर 1 बजे तक एयरपोर्ट बंद हो चुका था। चारों ओर अफरा–तफरी मची हुई थी क्योंकि हममें से किसी को भी पता नहीं था कि क्या हुआ है।

## रश्मिका मंदाना ने संगीत पर देवर संग भी लगाए ठुमके

साउथ सिनेमा के कपल रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा फिलहाल हर तरफ अपनी शादी को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। दोनों ने हाल ही में 26 फरवरी को उदयपुर में तेलुगु और कोडवा रीति–रिवाजों के अनुसार शादी की थी। शादी से पहले के उत्सवों में संगीत की रात खास रही, जिसके बारे में रश्मिका ने सोमवार को एक पोस्ट के जरिए बताया। रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम पर संगीत की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इसमें रश्मिका और विजय साथ में नजर आ रहे हैं, जबकि कुछ तस्वीरों में उनके परिवार के सदस्य भी शामिल नजर आ रहे हैं। रश्मिका ने पोस्ट के जरिए अपनी भावनाएं वजाहिर कीं। उन्होंने बताया कि यह रात प्यार, खुशी के आंसुओं, हंसी, संगीत, गानों, चमक–दमक और पूरी रात नाचने से भरी हुई थी। उन्होंने लिखा, सच में, यह अब तक की सबसे मजेदार रात थी।

## राजपाल यादव की मदद करना सोनू सूद को पड़ा महंगा

अभिनेता राजपाल यादव ने एक बातचीत में जेल में रहने के दौरान फिल्म इंडस्ट्री से मिले समर्थन के बारे में खुलकर बात की और सोनू सूद के हालिया कमेंट पर प्रतिक्रिया दी जिसमें उन्होंने कहा था कि वो उन्हें काम की पेशकश करेंगे। उन्होंने कहा, कृपया इस गलतफहमी से बाहर निकलें कि मुझे काम के लिए बार–बार पूछना पड़ता है। और काम मांगने में कोई शर्म नहीं है। मैं अपने काम से ही अपना जीवन यापन करता हूं, सिनेमा मेरा जुनून है, और मैं इस तरह से काम करता हूं कि मुझे चार गुना ज्यादा काम मिल जाता है। राजपाल ने स्क्रीन से कहा, मैं छुट्टियों में भी काम करता हूं। काम मुझे नहीं ढूंढता, यह पिछले 11 सालों से मेरे साथ रह रहा है। अब सोनू सूद ने जवाब दिया, मुझे उसके लिए खुशी है। मैंने यह नहीं कहा कि उसे काम की जरूरत है। मैंने कहा, उसे साइन करो और एडवांस पेमेंट करो क्योंकि वह इसके लायक हैं। राजपाल यादव को हाल ही में 9 करोड़ रुपये के कर्ज और चेक बाउंस मामले में अंतरिम जमानत मिली है। जब एक्टर तिहाड़ जेल में बंद थे, तब सोनू सूद और सलमान खान समेत कई फिल्मी हस्तियों ने आर्थिक मदद के लिए आगे कदम बढ़ाया था। फिल्ममेकर प्रियदर्शन ने यह भी खुलासा किया था कि उन्होंने अपनी अगली फिल्म के मेकर्स से राजपाल को उनकी नॉर्मल फीस से अधिक भुगतान करने के लिए कहा था और एक्टर की परेशानियों का कारण उनकी श्कम शिक्षाश को बताया था।

# सुरभि चंदना ने पति संग स्विमिंग पूल में लगाई डुबकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

*टीवी की दुनिया की बेहद खूबसूरत और दमदार एक्ट्रेस सुरभि चंदना के लिए इस बार होली दोगुनी खुशी का मौका है। जहां मुंबई में रंग–गुलाल के साथ त्योहार का जश्न मनाया जा रहा है, वहीं एक दिन पहले सोमवार को मौका था सुरभि की शादी की दूसरी सालगिरह का। सुरभि चंदना के इस इंस्टाग्राम पोस्ट को खबर लिखे जाने तक 50 हजा से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं। शादी की दूसरी सालगिरह का जश्न इस कपल ने प्राइवेट पूल डेट के साथ मनाया है। शेयर की गई वीडियो क्लिप में, सुरभि और करण हंसते हुए, पानी के छींटे उड़ाते हुए, मस्ती में अजीब–अजीब चेहरे बनाते हुए और एक–दूसरे को चिढ़ाते हुए दिख रहे हैं।*

**सुरभि ने पति करण को बताया भगवान का तोहफा**

सुरभि और करण के इस कैंडिड मोमेंट्स को देखकर फैंस भी दीवाने हुए जा रहे हैं। कमेंट सेक्शन में हार्ट इमोजी की बाढ़ सी आई हुई है। वीडियो में एक पल वो भी आता है, जब करण बड़े प्यार से सुरभि को अपने पास खींचते हैं और उनके माथे और नाक पर किस करते हैं। वीडियो शेयर करते हुए सुरभि ने अपने पति के लिए एक दिल को छू लेने वाला मैसेज भी लिखा। उन्होंने करण को श्भगवान का तोहफा बताया है।

**बॉयफ्रेंड, जो अब हस्बैंड है**

सुरभि चंदना ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, भगवान की ओर से मेरा तोहफा। हम दोनों को दो साल की बधाई। 16 साल तक जिंदगी में नाचते और खिलखिलाते हुए, उस समय के बॉयफ्रेंड के साथ जो अब हस्बैंड है। तुम्हारे साथ हर दिन एक जश्न है।

**कौन हैं सुरभि चंदना**

मुंबई में 11 सितंबर 1989 को पैदा हुईं सुरभि चंदना टीवी और ओटीटी की मशहूर एक्ट्रेस हैं। टीवी पर उन्हें इश्कबाज में अनिका त्रिवेदी सिंह ओबेरॉय और नागिन 5 में बानी शर्मा सिंघानिया के किरदार से पॉपुलेरिटी मिली। सुरभि चंदना ने साल 2009 में तारक मेहता का उल्टा चश्मा में स्वीटी के रूप में कैमियो करते हुए एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह हया कुरैशी के रोल में कुबूल है नजर आईं, जो उनका पहला लीड रोल था। वह संजीवनी में डॉ. इशानी अरोड़ा और शेरदिल शेरगिल में मनमीत शेरगिल की भूमिका के लिए भी खूब सराही जाती हैं।

**कौन हैं करण शर्मा, कब हुई सुरभि चंदना से शादी**

सुरभि चंदना के पति करण शर्मा एंटरप्रेन्योर हैं। दोनों साल 2010 से ही एक दूसरे को डेट कर रहे थे। डेटिंग के 13 साल बाद 2 मार्च 2024 को इस कपल ने शादी कर ली। जयपुर में हिंदू रीति–रिवाज से दोनों का विवाह हुआ।

**साइको सैया और तेजस्वी प्रकाश से खटपट!**

सुरभि चंदना जहां एक ओर अपने इस एनिवर्सरी पोस्ट से सुर्खियां बटोर रही हैं, वहीं बीते हफ्ते रिलीज वेब सीरीज साइको सैयां में फैंस का दिल जीत रही हैं। इस सीरीज में तेजस्वी प्रकाश, अनुद सिंह ढाका और रवि किशन भी हैं। हाल ही शो के प्रमोशन के दौरान कुछ ऐसा हुआ, जिसके बाद सुरभि और तेजस्वी प्रकाश के बीच खटपट की खबरों ने चर्चा बटोरी। दरअसल, एक प्रमोशन इवेंट के दौरान, तेजस्वी ने सुरभि के साथ इंटरव्यू देने या फोटो खिंचवाने से मना कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना के बाद सुरभि को वहां से भावुक होकर बाहर जाते हुए भी देखा गया। हालांकि, बाद में सुरभि चंदना ने इस पर चुप्पी तोड़ी और कहा, श्यह एक अनफॉर्चुनेट सिचुएशन थी, लेकिन इस पर कमेंट करने के लिए कुछ नहीं है।

# दलजीत कौर ने खरीदा नया घर, किया गृहप्रवेश

*एक्ट्रेस दलजीत कौर ने मुंबई में अपना नया घर खरीदा है और गृहप्रवेश का वीडियो शेयर किया है। दो साल पहले दलजीत को तलाक के बाद अपनी मेहनत की कमाई का घर बेचना पड़ गया था और तब वह भावुक हो गई थीं। अब उन्होंने अपना नया आशियाना बना लिया है।*

दलजीत कौर ने अपने नए घर में पूजा 1 मार्च को करवाई है। दलजीत कौर ने पिछले साल की इच्छा जाहिर की थी कि वह मुंबई में अपना घर बनाना चाहती हैं और अब उनका यह सपना पूरा हो गया है। वहीं, तलाक के बाद साल 2024 में दलजीत कौर को अपनी मेहनत की कमाई से बनाया हुआ घर बेचना पड़ गया था। उस घर में उन्होंने अपनी जिंदगी के 9 साल गुजारे थे।

**दलजीत कौर को बेचना पड़ा था अपना घर, यह बोली थीं**

दलजीत कौर ने उस बारे में अपने व्लॉग में बताया था और रो पड़ी थीं। दलजीत ने कहा था, मेरा घर था जहां मैं 9 सालों से रह रही थी। और छोटी–छोटी चीज बनाई थी हमारे घर की। तो पूरा घर अब नहीं है, अभी कोई भी घर नहीं है। लेकिन कोई नहीं, फिर शुरू करेंगे। इस बार क्यूंकि सूटकेस से शुरू हो रही है तो मैंने कहा क्यों नहीं सूटकेस उठाते हैं या पूरी दुनिया घूमते हैं।

**किराए के फ्लैट में रहीं, अब खुद का घर**

इसके बाद दलजीत कौर मुंबई में किराए पर फ्लैट लेकर रहने लगी थीं, पर अब खुद का घर ले लिया है, जिसकी कीमत करोड़ों में बताई जा रही है। दलजीत कौर पिछले काफी समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में रही हैं। बीते कुछ साल उनके लिए बहुत ही मुश्किलों और ट्रॉमा भरे रहे। दलजीत कौर ने दो बार शादी की थी, पर दोनों ही बार टूट गई और उन्हें रिश्ते में धोखा मिला।

**दलजीत कौर की 2 शादी, दोनों बार तलाक, पति पर आरोप**

दलजीत कौर ने पहली शादी टीवी एक्टर शालीन भनोट से की थी, जिनसे उन्हें एक बेटा जेडन है। पर कुछ साल बाद ही उनका तलाक हो गया। इसके बाद उन्होंने सिंगल मदर बनकर जेडन को पाला। शालीन भनोट से दलजीत का तलाक 2015 में हुआ था। फिर साल 2023 में दलजीत कौर ने केन्या के रहने वाले बिजनसमैन निखिल पटेल से शादी कर ली, जो पहले से तलाकशुदा थे। लेकिन शादी के 10 महीने बाद ही दलजीत और निखिल का तलाक हो गया। दलजीत ने निखिल पर गंभीर आरोप लगाए थे और अपना सारा सामान लेकर वापस मुंबई लौट आई थीं।

# अस्थमा के मरीजों में सांस की तकलीफ बढ़ा सकता है गुलाल

*होली पर सूखे रंगों का इस्तेमाल खूब होता है, जिन्हें हम गुलाल कहते हैं। इनके अंदर केमिकल के बहुत बारीक कण भी होते हैं। जो सांस के साथ फेफड़ों तक पहुंच सकते हैं। यह स्थिति अस्थमा और एलर्जी के मरीजों के लिए खतरनाक हो सकती है।*

अस्थमा व सांस की तकलीफ वाले मरीजों को रंग खेलने के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, जिसमें रंग से खेलने के तुरंत बाद चेहरा और नाक साफ कर लेना और सूखे रंगों की जगह हर्बल रंगों का उपयोग शामिल है।

**सूखे रंगों में केमिकल**

सूखे रंगों का अत्यधिक इस्तेमाल खासतौर से अस्थमा और एलर्जी के मरीजों के लिए परेशानी की वजह बन सकता है। बाजार में मिलने वाले कई सूखे रंगों में केमिकल के बेहद बारीक कण होते हैं। यह कण सांस के साथ शरीर के अंदर जाकर रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट को नुकसान पहुंचाते हैं।

**होली खेलने से पहले क्या करें?**

सूखे रंगों के कण फेफड़ों तक पहुंचने से सांस लेने में तकलीफ, सीने में जकड़न और खांसी की समस्या बढ़ सकती है। खासतौर पर जिन लोगों को पहले से अस्थमा या ब्रोंकाइटिस है, उनके लिए यह ज्यादा जोखिम भरा होता है। होली खेलने से पहले मरीजों को अपनी रेगुलर दवाएं समय पर लेनी चाहिए और डॉक्टर द्वारा बताया गया इनहेलर अपने पास जरूर रखना चाहिए। जरा सी लापरवाही अस्थमा अटैक को ट्रिगर कर सकती है।

**सूखे रंगों के खतरनाक होने का कारण**

कई सिंथेटिक रंगों के अंदर टैल्क, सिलिका और आर्टिफिशियल डाई मिलाई जाती है। इनके पार्टिकल हवा में आसानी से फैल जाते हैं और नाक व गले से होते हुए फेफड़ों में पहुंचकर एलर्जी पैदा कर सकते हैं। मैं हमेशा लोगों को चमकीले और तेज खुशबू वाले रंगों से बचने की सलाह देता हूं। क्योंकि इनके अंदर केमिकल की मात्रा ज्यादा हो सकती है। इनके मुकाबले हर्बल या ऑर्गेनिक रंग ज्यादा सुरक्षित होते हैं।

**बच्चों और बुजुर्गों को ज्यादा खतरा**

बच्चों और बुजुर्गों की इम्यूनिटी कमजोर होती है और इनका रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट भी सेंसिटिव होता है। इसलिए सूखे रंगों का इनके ऊपर जल्दी असर हो सकता है। ऐसे लोगों को भीड़ वाली जगहों पर रंग खेलने से बचना चाहिए। अगर बुजुर्गों को सांस से जुड़ी समस्या है तो खासतौर से उन्हें सूखे रंगों से दूरी बनाकर रखनी चाहिए।

**होली पर मरीज इन बातों का रखें ध्यान**

- सूखे रंगों की जगह हल्के हर्बल रंगों का इस्तेमाल करें
- इनहेलर और जरूरी दवाएं साथ रखें
- भीड़ और ज्यादा धूल-धुएं वाली जगहों पर जाने से बचें
- रंग खेलने के बाद तुरंत चेहरा और नाक साफ करें
- सांस लेने में परेशानी होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें

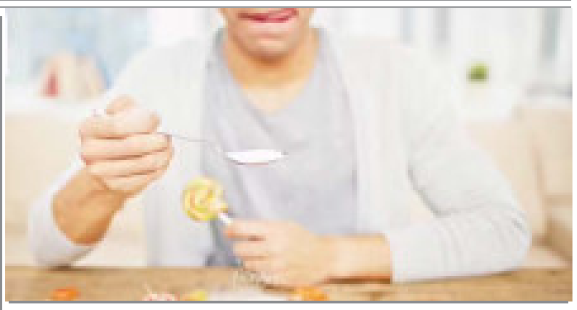

## कैसे बढ़ता है फैटी लिवर, इंसुलिन रेजिस्टेंस और सूजन का खतरा

ज्यादा चीनी के सेवन से फैटी लिवर का खतराअधिक चीनी, खासकर फ्रक्टोज युक्त शुगर, सीधे लिवर में जाकर मेटाबोलाइज होती है। जब शरीर को जरूरत से ज्यादा शुगर मिलती है, तो लिवर उसे ऊर्जा में बदलने की बजाय फैट में बदलना शुरू कर देता है। यही अतिरिक्त फैट धीरे-धीरे लिवर में जमा होने लगता है। यह स्थिति नॉन-अल्कोहोलिक फैटी लिवर डिजीज कहलाती है। यह बीमारी उन लोगों को भी होती है जो शराब का सेवन नहीं करते। शुरू में यह बीमारी 'साइलेंट' रहती है, यानी इसके कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखते, लेकिन समय के साथ यह लिवर की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकती है और गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकती है। लगातार ज्यादा चीनी खाने से ब्लड शुगर का स्तर बढ़ा रहता है। इसे नियंत्रित करने के लिए शरीर अधिक इंसुलिन बनाता है। लेकिन जब यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो कोशिकाएं इंसुलिन के प्रति कम संवेदनशील हो जाती हैं, इसे इंसुलिन रेजिस्टेंस कहा जाता है। इंसुलिन रेजिस्टेंस के कारण लिवर में और ज्यादा फैट जमा होने लगता है। यह चक्र लगातार जारी रहता है- ज्यादा शुगर, ज्यादा इंसुलिन और ज्यादा फैट। यही स्थिति आगे चलकर टाइप 2 डायबिटीज और गंभीर फैटी लिवर की समस्या का कारण बन सकती है। जब लिवर में लंबे समय तक चर्बी जमा रहती है, तो वहां सूजन शुरू हो सकती है। लगातार सूजन के कारण लिवर की कोशिकाएं क्षतिग्रस्त होने लगती हैं और उनकी जगह सख्त टिशू बनने लगते हैं। इसी प्रक्रिया को फाइब्रोसिस कहा जाता है।

## रंगों से आंखों को सेफ रखने के लिए जरूरी है सावधानी

होली के बाद हमारे पास आंखों की समस्या लेकर आने वाले मरीजों की संख्या काफी बढ़ जाती है। आई स्पेशलिस्ट के रूप में मैं सभी लोगों को होली पर प्रोटेक्टिव आई ग्लासेस पहनने की सलाह देती हूं। अगर आपकी आंखों में रंग चला जाए तो उन्हें रगड़ना या मसलना नहीं चाहिए, बल्कि साफ पानी से धोना चाहिए। ऐसी कुछ सावधानियां बरतकर रंगों के त्योहार का जमकर आनंद उठा सकते हैं। बाजार में बिकने वाले सिंथेटिक रंगों में केमिकल्स मौजूद होते हैं। इन केमिकल्स के आंखों के अंदर जाने के बाद आंखों में जलन, एलर्जी, लालिमा और आई इंफेक्शन हो सकता है। इसलिए होली खेलते वक्त आंखों की सुरक्षा पर खास ध्यान देना महत्वपूर्ण है। रंगों के महीन कण आंखों की सेंसिटिव सतह को नुकसान पहुंचा सकते हैं। गुलाल और वॉटर कलर दोनों ही आंखों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। खासकर तेज और गहरे रंग में सिंथेटिक पिगमेंट होता है, जो कॉर्निया को प्रभावित कर सकता है। कई बार देखा जाता है कि आंखों के अंदर रंग जाने पर लोग आंखों को मसलने लगते हैं। इससे समस्या बढ़ जाती है और आंखों में खरोंच तक आ सकती है।

## लंबे समय तक बैठे रहने से क्या कब्ज हो सकता है

आज के आधुनिक दौर में लंबे समय तक बैठकर काम करना आम बात हो गई है। ऑफिस जॉब, ऑनलाइन पढ़ाई, मोबाइल और टीवी का अधिक उपयोग- इन सबने हमारी दिनचर्या को काफी हद तक निष्क्रिय बना दिया है। यह गतिहीन यानी सेडेंटरी लाइफस्टाइल कई स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म देती है, जिनमें से एक प्रमुख समस्या कब्ज है। फिजिकल एक्टिविटीज बढ़ाकर और हेल्दी फूड के सेवन से कब्ज से बचा जा सकता है। कब्ज को कई लोग मामूली समस्या समझते हैं, लेकिन लंबे समय तक कब्ज रहने से पाचन तंत्र और पूरे स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। मॉडर्न लाइफस्टाइल में फिजिकल एक्टिविटी बहुत कम हो गई है, जिससे कब्ज की समस्या बढ़ने लगी है। रोज की आदतों और लाइफस्टाइल में बदलाव करके कब्ज से राहत पाई जा सकती है। सेडेंटरी लाइफस्टाइल कब्ज का कारण क्यों बनती है? गतिहीन जीवनशैली में फिजिकल एक्टिविटीज की कमी से आंतों की मांसपेशियां सुस्त पड़ जाती हैं, जिससे पाचन क्रिया धीमी हो जाती है और कब्ज की समस्या शुरू हो जाती है। जब हम फिजिकल एक्टिविटी कम करते हैं, तो शरीर की चयापचय दर यानी मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है। इससे भोजन का पाचन और पोषक तत्वों का अवशोषण भी धीमा पड़ जाता है, जिससे मल आंतों में अधिक समय तक रुकता है और कठोर हो जाता है।

# बाजार में बिक रहे होली के रंगों में लेड क्रोमियम जैसे तत्व

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

*होली, रंगों का त्योहार है, लेकिन बाजार में बिकने वाले रंग कैसे लोगों की सेहत के लिए खतरा साबित हो जाते हैं, ये हमें हर साल देखने को मिलता है। बाजार में बड़ी मात्रा में ऐसे कलर्स बेचे जाते हैं, जिनमें मौजूद लेड, क्रोमियम जैसे तत्वों के संपर्क में आने पर आंखों का संक्रमण, स्किन रिएक्शन, जलन और रेस्पिरेटरी सिस्टम से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। यही वजह है कि हम हमेशा लोगों को समझाने की कोशिश करते हैं कि आखिर क्यों मार्केट में बिकने वाले होली के रंगों का चुनाव और इस्तेमाल सोच-समझकर ही किया जाना चाहिए।*

**केमिकल बेस्ड कलर होते हैं खतरनाक**

बाजार में मिलने वाले सस्ते, केमिकल बेस्ड और बिना क्वालिटी सर्टिफिकेट चेक वाले कलर्स बच्चों और बुजुर्गों के लिए तो और भी ज्यादा रिस्की होते हैं, और उनके मामले में तो हम हमेशा ऑर्गेनिक और हर्बल कलर्स के उपयोग की ही सलाह देते हैं। हालांकि, इन्हें भी सीमित मात्रा में उपयोग करना ही बेस्ट होता है।

**इंडस्ट्रियल डाई और सिंथेटिक पिगमेंट का इस्तेमाल**

बाजार में बिकने वाले सस्ते और नॉन-सर्टिफाइड कलर्स में लेड, क्रोमियम और कॉपर जैसे तत्व मिलाए जाते हैं। वहीं रंगों को चमकीला और गहरा रंग देने के लिए उसमें इंडस्ट्रियल डाई और सिंथेटिक पिगमेंट डाला जाता है। यही वो कारक हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं।

**स्किन को होने वाले नुकसान**

लेड ऑक्साइड, क्रोमियम, कॉपर सल्फेट और मर्करी जैसे खतरनाक तत्व एलर्जी, खुजली, रैशेज और जलन पैदा कर सकते हैं। कई लोगों में ये समस्याएं गंभीर रूप लेते हुए इंफेक्शन में तब्दील हो जाती हैं। ये मेडिकल सहायता से ठीक भी हो जाएं, तो भी लंबे समय तक रहने वाले पिगमेंटेशन स्किन पर उभर सकते हैं। मेरी सलाह है कि लोग केमिकल बेस्ड होली के रंगों की जगह हर्बल और ऑर्गेनिक रंग चुनें। होली खेलने से पहले नारियल तेल या मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं, ताकि एक प्रोटेक्टिव लेयर बन जाए और रंग सीधे त्वचा में अंदर न घुसें।

**आंख और सांस से जुड़ी समस्या**

होली पर रंगों से खेलना आंखों और रेस्पिरेटरी सिस्टम को खतरे में डालता है। पाउडर वाले रंग में मौजूद महीन कण सांस के जरिए शरीर में प्रवेश कर सकते हैं, जिससे एलर्जी, खांसी, थ्रोट इंफेक्शन और अस्थमा के लक्षण बढ़ने जैसी समस्याएं जन्म ले सकती हैं। इसी तरह आंखों में रंग जाने पर लालिमा या इंफेक्शन का खतरा पैदा होता है। मेरी सलाह है कि जो लोग पहले से ही किसी प्रकार की एलर्जी या फिर अस्थमा के मरीज हैं, वो ज्यादा एहतियात बरतें। वहीं अगर रंगों से खेलते वक्त आंखों में अगर ये चला जाए, तो तुरंत साफ पानी से आंखें धोएं। अगर जलन बनी रहे तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं।

**बच्चे और बुजुर्ग रखें ज्यादा सावधानी**

बच्चों और बुजुर्गों की इम्युनिटी कमजोर होती है, जिस वजह से केमिकल वाले रंगों का इन पर ज्यादा दुष्प्रभाव दिख सकता है। इन लोगों को विशेषतौर पर किसी भी तरह के तेज खुशबू वाले, या चमकीले और बिना सर्टिफाइड कलर्स से दूर ही रखना चाहिए, क्योंकि इस तरह के रंगों में केमिकल्स की मात्रा काफी ज्यादा होती है। इसकी जगह हर्बल और ऑर्गेनिक गुलाल का उपयोग किया जा सकता है।

**इन बातों का रखें ख्याल**

अगर रंग खेलने के बाद स्किन, आंख या फिर शरीर में किसी भी तरह की परेशानी जरूरत से ज्यादा महसूस हो तो उसे इग्नोर न करें। तुरंत एक्सपर्ट से परामर्श लें, ताकि सही उपचार शुरू किया जा सके और समस्या को बढ़ने से रोका जा सके।

## अहमदाबाद की पिच और टीम कॉम्बिनेशन

अहमदाबाद की लाल और काली मिट्टी वाली पिचों पर स्पिनर्स का दबदबा रहता है। ऐसे में कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती की तिड़ी न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को रोकने के लिए सबसे बड़ा हथियार साबित हो सकती है। रिंकू सिंह और वाशिंगटन सुंदर भी रेस में हैं, लेकिन गेंदबाजी गहराई को देखते हुए कुलदीप का पलड़ा भारी है। कुलदीप ने 2025 चौंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भी न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। उनका एक्स–फैक्टर कीवी बल्लेबाजों के लिए मुसीबत बन सकता है।

## वर्ल्ड कप फाइनल में बड़ा बदलाव! अभिषेक शर्मा होंगे बाहर?

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** अहमदाबाद। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के खिताबी मुकाबले की तस्वीर साफ हो चुकी है। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत का सामना अपनी पुरानी प्रतिद्वंद्वी न्यूजीलैंड से होगा। खिताबी जंग से पहले भारतीय खेमे में ओपनिंग स्लॉट और गेंदबाजी संतुलन को लेकर बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। पूरे टूर्नामेंट में अपनी फॉर्म के लिए संघर्ष कर रहे अभिषेक शर्मा का फाइनल से बाहर होना लगभग तय माना जा रहा है। उन्होंने 7 मैचों में केवल 89 रन बनाए हैं और सेमीफाइनल में भी मात्र 9 रन बनाकर आउट हो गए। टीम मैनेजमेंट विजेता टीम में बदलाव करने से आमतौर पर बचता है, लेकिन बड़े मैच में किसी आउट–ऑफ–फॉर्म खिलाड़ी को खिलाना जोखिम भरा हो सकता है। अगर अभिषेक शर्मा को बाहर किया जाता है, तो शानदार फॉर्म में चल रहे ईशान किशन को संजू सैमसन के साथ ओपनिंग की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। ईशान इस टूर्नामेंट में दो अर्धशतक जड़कर पहले ही अपनी काबिलियत साबित कर चुके हैं। सेमीफाइनल में भारत को एक छठे विशेषज्ञ गेंदबाज की कमी खली थी। वरुण चक्रवर्ती का पिछला मैच काफी खराब रहा, ऐसे में अनुभवी कुलदीप यादव को प्लेइंग में शामिल किया जा सकता है।

# नरेंद्र मोदी स्टेडियम फिर न बन जाए काल

क्रिकेट

### भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथी बार खेला जाएगा आईसीसी टूर्नामेंट का फाइनल

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 अब समाप्त होने वाला है। एक मैच के बाद विजेता टीम का पता चल जाएगा। टूर्नामेंट के फाइनल मैच में रविवार को भारत का सामना न्यूजीलैंड से होगा। यह मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। चौथी बार भारत और न्यूजीलैंड टीम आईसीसी इवेंट्स के फाइनल में टकराने जा रही है। इससे पहले हुई 3 टक्कर में न्यूजीलैंड ने 2 बार बाजी मारी है। फाइनल मैच अहमदाबाद में खेला जाना है, ऐसे में फैंस को पुराना डर भी सता रहा है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2000 के फाइनल में न्यूजीलैंड ने भारतीय टीम को 4 विकेट से शिकस्त दी थी। सौरव गांगुली (117) के शतक और सचिन तेंदुलकर (69) के अर्धशतक की बदौलत भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 6 विकेट खोकर 264 रन बनाए थे। 265 रन के टारगेट को कीवी टीम ने 2 बॉल पहले चेज कर लिया था। क्रिस केर्न्स ने नाबाद 102 रन की पारी खेली थी।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पहले ही फाइनल में भारतीय टीम का सामना इंग्लैंड से हुआ था। साउथेम्प्टन के द रोज बाउल में खेले गए इस मुकाबले में टीम इंडिया को 8 विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी थी। भारत ने पहली पारी में 217 और दूसरी पारी में 170 रन बनाए थे। जवाब में कीवी टीम ने पहली इनिंग में 249 और दूसरी पारी में 140 रन बनाकर मैच को जीत लिया था।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में एक बार फिर भारत और न्यूजीलैंड की टक्कर हुई। हालांकि, इस बार बाजी भारतीय टीम ने मारी और 4 विकेट से निर्णायक मैच जीता। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 251 रन बनाए। जवाब में रोहित शर्मा (76) के अर्धशतक की बदौलत टीम इंडिया ने इस टारगेट को 49 ओवर में चेज कर लिया था। अब सवाल उठता है कि नरेंद्र मोदी स्टेडियम से फैंस क्यों डर रहे हैं? टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम अब तक एक मैच ही हारी है। सुपर–8 के पहले ही मुकाबले में टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका के हाथों 76 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

यह टक्कर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुई थी। इससे पहले वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम को करारी शिकस्त देकर ट्रॉफी जीतने का सपना चूर कर दिया था। ऐसे में कई फैंस इस ग्राउंड को अनलकी मानते हैं।

## फाफ डु प्लेसिस ने भारतीय पेसर को बताया सुपरपावर

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार की कप्तानी को भी सराहा

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** मुंबई। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ जसप्रीत बुमराह के जादुई स्पेल ने न केवल भारत को फाइनल में पहुंचाया, बल्कि दुनिया भर के दिग्गजों को उनका मुरीद बना दिया है। साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने बुमराह की जमकर तारीफ की और उन्हें हर कप्तान के लिए एक सुपरपावर करार दिया। उन्होंने बुमराह को लेकर कई बड़ी बातें कही हैं।

फाफ डु प्लेसिस ने बुमराह की तुलना एक अलादीन के चिराग वाले जिन्न से की। उन्होंने कहा, टीम इंडिया को अंदाजा भी नहीं है कि वे कितने भाग्यशाली हैं कि उनके पास बुमराह जैसा गेंदबाज है। आप बस चिराग रगड़िए और बुमराह बाहर आकर आपको मैच जिता देते हैं। चाहे कोई भी फॉर्मेट हो, उन्हें गेंद थमाइए और वह जीत पक्की कर देते हैं। यह एक ऐसी सुपरपावर है जिसका सपना हर कप्तान देखता है।

डु प्लेसिस ने बुमराह के अनोखे बॉलिंग एक्शन और कलाई की गति पर चर्चा करते हुए कहा कि उन्हें पढ़ना नामुमकिन है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया, श्अगर कोई और गेंदबाज लेंथ मिस करता है, तो उसे छक्का पड़ता है, जैसे आखिरी ओवर में शिवम दुबे को पड़ा। लेकिन बुमराह का एक्शन इतना रहस्यमयी है कि अगर वह लो–फुल टॉस भी फेंकते हैं, तो सैम करन जैसा बल्लेबाज भी लेट हो जाता है। यह ठीक वैसा ही है जैसा अपने दौर में लसिथ मलिंगा किया करते थे।

वानखेड़े की सपाट पिच पर जहां दोनों टीमों ने मिलाकर लगभग 500 रन बनाए, वहां बुमराह ने 8.25 की इकोनॉमी से रन देकर मैच पलट दिया। फाफ ने भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, सूर्या ने बुमराह का इस्तेमाल बिल्कुल सही समय पर किया। जब रन रेट बढ़ रहा था और विकेट की जरूरत थी, तब बुमराह को लाना स्पॉट–ऑन कप्तानी थी। खेल के अंतिम ओवरों में बुमराह का कोई सानी नहीं है। बुमराह के इस प्रदर्शन से अब टीम इंडिया लगातार दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गई है। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत का सामना न्यूजीलैंड से होगा। घरेलू दर्शकों के सामने बुमराह एक बार फिर भारत के लिए सबसे बड़ा हथियार साबित होने वाले हैं।

## इंग्लैंड के बाहर होने पर हैरी ब्रूक ने बयां किया दर्द

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2026 का सेमीफाइनल मुकाबला किसी ब्लॉकबस्टर फिल्म की तरह रहा। भारत ने सांस थाम देने वाले मुकाबले में इंग्लैंड को 7 रन से मात देकर फाइनल में जगह पक्की की। ब्रूक ने मैच के बाद कहा कि इंग्लैंड ने शुरुआती परिस्थितियों को समझने में गलती कर दी और मैदान में अपनी योजनाओं का पालन नहीं कर सकी। इंग्लिश कप्तान ने कहा, हमें लगा कि पिच पर गेंद रुकेगी। विशेषकर पहली पारी में गेंद स्पिन करेगी। मगर गेंद फिसलकर बल्ले पर अच्छी तरह आई और भारत ने शानदार बल्लेबाजी की। ब्रूक ने आगे कहा, मैं अपनी बड़ी गलती मानता हूं कि संजू सैमसन का कैच छोड़ दिया। हमने फील्डिंग में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। हम गलतियां की और भारत के खिलाफ मैच में यह सहनीय नहीं है।

## न्यूज डायरी

## आजकल पावरप्ले में ही मैच बनता और बिगड़ता है: संजू सैमसन

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 7 रन से हराकर फाइनल में जगह पक्की की। नॉक आउट मैच में भारतीय ओपनर संजू सैमसन शतक से चूक गए और उन्होंने 89 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इससे पहले वेस्टइंडीज की खिलाफ करो या मरो वाले मैच में संजू बल्ले से चमके थे। उन्होंने नाबाद 97 रन की पारी खेली थी। संजू का शतक भले ही दोनों मैच में अधूरा रहा हो पर टीम इंडिया ने इन्हें जीता। ऐसे में सेमीफाइनल मैच के बाद संजू सैमसन से शतक मिस होने का सवाल पूछा गया और उन्होंने इसका मजेदार जवाब भी दिया। संजू ने कहा, 2 सेंचुरी मिस नहीं हुआ है। एक 97 और एक 89 बनाया, बहुत बड़ी बात है। अगर मुझे अच्छा लग रहा है तो मैं अपनी टीम को अच्छी शुरुआत देता हूं। आजकल पावरप्ले में ही मैच बनता और बिगड़ता है। तो 3–4 बॉल के बाद आप अटैक ही करते हैं। जैसे अभिषेक करते आ रहे हैं। ईशान किशन और मैं कर रहा। उन्होंने कहा, पावरप्ले में टॉप–3 बल्लेबाजों को प्रहार करना है। इससे कई बार आपका अच्छे रिजल्ट मिलेंगे तो कई बार मिलेगी, लेकिन आपको गेम प्लान नहीं बदलना है। हमारे पास 8 नंबर तक बैटिंग है। ऐसे में जरूरत के हिसाब से बल्लेबाजी करो। आपका दिन है तो अंत तक खेलो नहीं तो दूसरों को सपोर्ट करो। काफी समय से मेरी किस्मत खराब चल रही थी, इसलिए कभी–कभी किस्मत का साथ मिलना ठीक है और मैंने सोचा कि इसका पूरा फायदा उठाऊं।

## 30 रन तो बहुत, 5 छक्के तो नहीं खाऊंगा यह पता था: अक्षर पटेल

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2026 का रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबला मुंबई के ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में बीते गुरुवार को खेला गया। 250 से ज्यादा रन बनाने के बावजूद भी भारत यह मुकाबला सिर्फ 7 रन से जीता। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने शानदार बैटिंग की, लेकिन फिर भी वे अपनी टीम को मैच नहीं जिता पाए। अब टीम इंडिया फाइनल में पहुंच गई है, जहां उनका सामना न्यूजीलैंड से होगा। भारत के स्टार ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने सेमीफाइनल मुकाबले में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 1 विकेट तो लिया ही इसके अलावा कुछ अच्छे कैच लपके, जिन्होंने मैच का रुख पलट दिया। वहीं मैच के बाद अक्षर पटेल ने ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत करते हुए कहा कि वह आखिरी ओवर डालने को भी तैयार थे। इंग्लैंड को आखिरी ओवर में जीत के लिए 30 रन की जरूरत थी। भारत के लिए फाइनल ओवर ऑलराउंडर शिवम दुबे डालने आए थे, जिन्होंने 22 रन खर्च किए। हालांकि अक्षर पटेल ने मैच के बाद खुलासा किया कि वह 20वां ओवर डालने के लिए तैयार थे। उन्होंने कहा, मैं रेडी था। मैं लॉन्ग ऑफ पे खड़ा था और रेडी था और बॉलिंग प्रैक्टिस भी कर रहा था। 30 रन तो बहुत, 5 छक्के तो नहीं खाऊंगा यह पता था। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आखिरी ओवर डालने के लिए स्पिनर से ज्यादा मीडियम पेसर पर भरोसा जताया था। पटेल ने अपने 3 ओवर में 35 रन देकर 1 विकेट लिया था।

## डोनाल्ड ट्रंप ने घर आए लियोनेल मेसी पर दिया बड़ा बयान

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** वाशिंगटन। लियोनेल मेसी की टीम इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर का खिताब पहली बार अपने नाम किया। इस जीत के बाद टीम के खिलाड़ियों को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में होस्ट किया। इस दौरान ट्रंप ने स्पीच दी और यह काफी वायरल है। इस स्पीच में उन्होंने स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम लिया और मेसी के सामने ही उन्हें ग्रेट बताया। मेसी और रोनाल्डो की राइवलरी काफी पुरानी है। मेसी लगातार मुस्कुराते हुए ट्रंप की बात सुन रहे थे। इस दौरान इंटर मियामी की टीम ने डोनाल्ड ट्रंप को अपनी जर्सी भेंट की। वहीं लियोनेल मेसी ने उन्हें रत्नजड़ित गुलाबी फुटबॉल दिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने समारोह में कहा, आज मैं 2025 एमएलएस कप चौंपियन, इंटर मियामी की मेजबानी करके बेहद खुश हूं। मेरा सौभाग्य है कि मैं वह कह पा रहा हूं, जो आज तक किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति को कहने का मौका नहीं मिला। व्हाइट हाउस में आपका स्वागत है, लियोनेल मेसी। अपनी स्पीच के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने महान पेले से भी लियोनेल मेसी की तुलना की।

पेज थ्री देहरादून
देहरादून, शनिवार, 7 मार्च 2026
पेज 8
हमारा दून

सारा की उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक करते हुए मुख्य सचिव।

## संक्षिप्त समाचार

### ईरान के खिलाफ सैन्य आक्रामकता बढ़ाने की निंदा की

**संवाददाता** देहरादून। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) जिला कमेटी देहरादून ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी साम्राज्यवाद और उसके सहयोगियों द्वारा बढ़ाई जा रही सैन्य आक्रामकता की कड़ी निंदा की है। एसएफआई ने बयान जारी कर कहा है कि मध्य पूर्व क्षेत्र में अमेरिका की लगातार दखलअंदाजी और युद्धोन्मादी नीतियां विश्व शांति के लिए गंभीर खतरा हैं। जिला सचिव अय्याज खान ने कहा कि अमेरिका वर्षों से अपनी साम्राज्यवादी नीतियों के तहत विभिन्न देशों की संप्रभुता और आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करता रहा है। ईरान के खिलाफ की जा रही सैन्य और राजनीतिक कार्रवाई भी उसी नीति का हिस्सा है।

### जन औषधि परिवार ने पैदल जन जागरूकता अभियान चलाया

**संवाददाता** देहरादून। जन औषधि परिवार ने पैदल जन जागरूकता अभियान चलाकर मोदी सरकार का आम जनता को सस्ती और जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए आभार जताया। शुक्रवार को जन औषधि दिवस के अवसर पर टैगोर विला में चिल्ड्रंस अकादमी स्कूल के पास से पैदल जन जागरूकता अभियान की शुरुआत राधिका मेडिकल एजेंसी के मुकेश अग्रवाल के नेतृत्व में की गई। मुकेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आम आदमी की जरूरत को समझा है और उन्हें महंगी दवा से निजात दिलाने के लिए जन औषधि केंद्र का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है।

### स्वच्छता को लेकर निकाली जागरूकता रैली

**संवाददाता** देहरादून। डीआईटी विश्वविद्यालय ने सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने के लिए सात दिवसीय एनएसएस विशेष शिविर और निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। इस दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों ने साक्षरता, स्वच्छता और एड्स जागरूकता पर ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न जागरूकता रैलियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। समुदाय के भीतर सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित करने के लिए महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य जागरूकता और व्यक्तिगत स्वच्छता पर जानकारीपूर्ण सत्र भी आयोजित किए गए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड, पी.ओ-राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।

# टिहरी झील बनेगी विश्व में पर्यटन–खेल का प्रमुख केंद्रः सीएम

**शिलान्यास**

■मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया कोटी डोबरा पर्यटन मार्ग का वर्चुअल शिलान्यास

**संवाददाता**

देहरादून। पर्यटन, साहसिक खेल के साथ ही पर्यावरण और संस्कृति के स्पष्ट संदेश के बीच हिमालयन 0.2 द टिहरी लेक फेस्टिवल का भव्य शुभारंभ हो गया है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को इसका उद्घाटन करते हुए विश्वास प्रकट किया कि सुंदर टिहरी झील आने वाले समय में देश ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में साहसिक खेलों और पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगी। इस मौके पर उन्होंने घोषणा कि कोटी कालोनी–नई टिहरी रोपवे का निर्माण कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संबोधन में देश–विदेश से आए खिलाड़ियों के साथ ही अन्य मेहमानों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड की पावन धरा आध्यात्मिकता और लोक संस्कृति का अद्भुत संगम रही है। हमारी नदियां, हमारे पर्वत, हमारी झीलें और हमारी परंपराएं पूरे विश्व को आकर्षित करती रही हैं। आज उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए टिहरी झील के किनारे आयोजित ये महोत्सव पर्यटन, खेल और संस्कृति तीनों को एक मंच पर लाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

उन्होंने कहा कि हिमालय की गोद में बसी टिहरी झील प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत उदाहरण होने के साथ– साथ साहसिक खेलों के आयोजन स्थल के रूप में तेजी से उभर रही है। यहां आयोजित होने वाली राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की विभिन्न जल क्रीड़ा प्रतियोगिताएं न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दे रही हैं, बल्कि उत्तराखंड को वैश्विक खेल मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाने का काम भी कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने टिहरी को लेकर अपनी सरकार की मंशा स्पष्ट करते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य है कि टिहरी को वाटर स्पोर्ट्स और एडवेंचर स्पोर्ट्स के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। इसके लिए टिहरी झील में कयाकिंग, कैनोइंग, जेट–स्की, पैरा–सेलिंग, स्कूबा डाइविंग और अन्य साहसिक गतिविधियों को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। यहां आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। ताकि हमारे युवा खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्तराखंड का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने कहा कि टिहरी झील के आसपास विकसित हो रहा यह खेल और पर्यटन तंत्र स्थानीय लोगों के लिए स्वरोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण के नए अवसर पैदा कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि टिहरी झील केवल एक पर्यटन स्थल ही न रहे, बल्कि खेल, संस्कृति और प्रकृति के संगम का वैश्विक केंद्र भी बने। उन्होंने कहा कि इसके लिए सरकार के प्रयास जारी रहेंगे। मुख्यमंत्री ने पर्यटन और साहसिक खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार के प्रयासों का खास तौर पर जिक्र किया। इस क्रम में उन्होंने आदि कैलाश में राज्य की पहली हाई–एल्टीट्यूड मैराथन, माणा में एमटीबी चौलेंज, एशियन ओपन शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग ट्रॉफी जैसे बडे स्तर के आयोजनों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि हमारे युवा केवल अवसरों की प्रतीक्षा न करें, बल्कि अपने सामर्थ्य और परिश्रम से नए अवसरों का सृजन भी करें। उन्होंने कहा कि आज टिहरी में 400 से अधिक युवा पैराग्लाइडिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

### कोटी–डोबरा पर्यटन मार्ग का शिलान्यास

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कोटी–डोबरा पर्यटन मार्ग का रिमोट दबाकर वर्चुअल शिलान्यास किया। यह मार्ग एशियन डेवलपमेंट बैंक के स्तर पर वित्त पोषित है,जिसकी कुल लागत 318 करोड़ है। इस मार्ग की लंबाई करीब 15 किलोमीटर है।

### नौ मार्च तक होंगी विभिन्न गतिविधियां

टिहरी लेक फेस्टिवल में नौ मार्च तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। साहसिक खेल व पर्यटन गतिविधियों के अलावा लोक संस्कृति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं।

# हाई पावर कमेटी ने 187.11 करोड़ की वार्षिक कार्ययोजना को दी मंजूरी

**समीक्षा**

■मुख्य सचिव की अध्यक्षता में यूसीआरआरएफपी की बैठक

■अद्यतन भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा

**संवाददाता**

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में शुक्रवार को उत्तराखंड जलवायु अनुकूल बारानी कृषि परियोजना की हाई पावर कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में परियोजना की अद्यतन भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा करते हुए वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए 187.11 करोड़ रुपये की वार्षिक कार्ययोजना को अनुमोदित किया गया।

यूसीआरआरएफपी की चतुर्थ हाई पावर कमेटी की बैठक में समिति ने वित्तीय वर्ष 2025–26 की 62.19 करोड़ रुपये की पुनरीक्षित वार्षिक कार्ययोजना को भी स्वीकृति प्रदान की। इसके साथ ही परियोजना के प्रभावी संचालन के लिए तैयार परियोजना संचालन दिग्दर्शिका, फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम मैनुअल तथा विभिन्न प्रपत्रों और दिशानिर्देश पुस्तिकाओं का अनुमोदन किया गया।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि परियोजना के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए ग्राम स्तर पर स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाएं तैयार की जाएं, ताकि ग्रामीणों को परियोजना का अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को देखते हुए परियोजना के माध्यम से बारानी कृषि को अधिक सक्षम और टिकाऊ बनाया जाना आवश्यक है।

बैठक में सचिवध्मुख्य परियोजना निदेशक दिलीप जावलकर, सचिव सी रविशंकर, परियोजना निदेशक हिमांशु खुराना, अपर सचिव अपूर्वा पांडेय, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी सारा कहकशां नसीम, संयुक्त निदेशक डा. ए.के. डिमरी, मुख्य वित्त अधिकारी दीपक भट्ट, उप निदेशक डा. एस.के. उपाध्याय, डा. डी.एस. रावत, डा. सिद्धार्थ श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

### राफ्टिंग में प्रोफेशनल और पर्यटक दिखाएंगे दमखम

**संवाददाता** ऋषिकेश। टिहरी झील में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ाने के साथ ही आसपास के क्षेत्रों में पर्यटक स्थलों के प्रचार–प्रसार के लिए नई पहल हुई है, जिसके चलते टिहरी जिले की हर विधानसभा में तीन कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें नरेंद्रनगर विधानसभा के मुनिकीरेती और आसपास के क्षेत्र में भी ट्रैकिंग, राफ्टिंग और काइट (पतंग) फेस्टिवल प्रस्तावित है। शुक्रवार को नरेंद्रनगर वन प्रभाग के डीएफओ की अध्यक्षता में मुनिकीरेती नगर पालिका सभागार में विभागीय अधिकारियों की बैठक हुई। एसडीएम आशीष घिल्डियाल ने मुनिकीरेती और आसपास के क्षेत्र में प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी दी। बताया कि सात मार्च को आगराखाला–कसमौली में ट्रैकिंग पर्यटन विभाग की निगरानी में होगी। आठ मार्च को साहसिक पर्यटन अधिकारी की देखरेख में ब्रह्मपुरी–खारास्रोत के बीच गंगा में राफ्टिंग प्रतियोगिता होगी। इसमें दो प्रोफेशनल और पर्यटक श्रेणी में प्रतिभागी दमखम दिखाएंगे। नौ मार्च को खारास्रोत में काइट फेस्टिवल आयोजित किया जाएगा, जिसमें स्थानीय लोगों के साथ ही स्कूली बच्चे भी शामिल होंगे।

### भारतीय परंपराओं से हमारी पीढ़ियों का जुड़े रहना जरूरी

**संवाददाता** देहरादून। दून विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन स्टडीज में शुक्रवार को केंद्रीय विद्यालय राजस्थान के कल्चर एंड मीडिया स्टडीज विभाग के डीन प्रो अमिताभ श्रीवास्तव ने भारतीय ज्ञान परंपरा एवं संचार माध्यमों पर व्याख्यान दिया।